मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 34
मंगलवार, 12 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

एसआईआर और 'वोट चोरी' के खिलाफ राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी मार्च

नई दिल्ली, 11 अगस्त। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के विपक्षी दलों के सांसदों ने सोमवार को संसद भवन स्थित मकर द्वार से दिल्ली के निर्वाचन सदन स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकाला। यह मार्च सुबह 11:30 बजे शुरू हुआ और ट्रांसपोर्ट भवन होते हुए आगे बढ़ा। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने बताया कि इंडिया ब्लॉक द्वारा आयोजित इस मार्च के लिए अभी तक कोई अनुमति नहीं ली गई है। दिल्ली पुलिस ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों के विरोध में संसद से भारत के चुनाव आयोग तक मार्च कर रहे इंडिया ब्लॉक के नेताओं को रोक दिया। इससे पहले बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करते हुए और 2024 के लोकसभा चुनावों में मतदाता धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए, चुनाव आयोग तक मार्च करने के लिए इंडिया ब्लॉक के नेता संसद के मकर द्वार पर एकत्र हुए। एसआईआर विवाद पर विपक्ष के हंगामे और संसदीय चर्चा की माँग के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले, इंडिया ब्लॉक के सांसदों द्वारा

संसद से चुनाव आयोग मुख्यालय तक मार्च निकालने की योजना के चलते परिवहन भवन के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी और बैरिकेड्स लगा दिए गए थे। यह विरोध प्रदर्शन बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष द्वारा मतदाता धोखाधड़ी कहे जाने वाले मुद्दे पर केंद्रित है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि अगर आप जगह का बहाना बनाकर सांसदों से नहीं मिल सकते, तो ये अपने आप में एक टिप्पणी है कि आप किस तरह का काम कर रहे हैं... ये धोखाधड़ी है; आप वगीर्कृत डेटा उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद आपकी (चुनाव आयोग की) ज़िद नहीं जा रही है। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि हमारे लोकतंत्र पर सवाल उठ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए, न सिर्फ. वोटों की चोरी हुई, बल्कि बूथ कैप्चरिंग भी हुई। चुनाव आयोग ने उन अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जो राज्य सरकार के आदेश पर काम कर रहे थे। वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि विपक्ष ने तमाशा किया और सदन नहीं चलने दिया। अब ये लोग तमाशा मार्च निकालने जा रहे हैं। इस तमाशा मार्च से उन्हें जनता से सिर्फ. निराशा ही हाथ लगेगी।

संयुक्त उम्मीदवार उतारेगा इंडिया गुट: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 11 अगस्त। विपक्षी इंडिया गुट ने आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एक संयुक्त उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संभावित नामों पर चर्चा करने और आम सहमति बनाने के लिए सहयोगी दलों से संपर्क कर रहे हैं। गुट के सूत्रों का कहना है कि एक मजबूत राय है कि परिणाम चाहे जो भी हो, एक ठोस राजनीतिक संदेश देने के लिए उन्हें चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटना चाहिए। हालाँकि अभी तक कोई व्यवस्थित चर्चा नहीं हुई है, लेकिन सहयोगियों के बीच गुप्त बातचीत चल रही है।

हालाँकि अधिकांश सदस्य एकजुट मोर्चा बनाने पर सहमत हैं, लेकिन विपक्षी खेमे के कुछ लोगों का मानना है कि भाजपा द्वारा अपने उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही अपने उम्मीदवार की घोषणा करना बुद्धिमानी होगी। यह कदम भारतीय ब्लॉक पार्टियों के बीच एक नए सिरे से एकजुटता के प्रदर्शन के बीच उठाया गया है, जिन्होंने हाल ही में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने और भाजपा-चुनाव आयोग के वोट चोरी मॉडल का विरोध करने का संकल्प लिया है। गुरुवार को, 25 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में भाग लिया। यह जून 2024 के बाद से उनकी पहली व्यक्तिगत बैठक थी, जब

वे लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मिले थे। बैठक में, गांधी ने बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में हेराफेरी के अपने दावों को रेखांकित करते हुए एक प्रस्तुति दी। उपस्थित लोगों में सोनिया गांधी, एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार, एनसी नेता फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी की महबूबा मुफ्ती, एसपी के अखिलेश यादव, आरजेडी के तेजस्वी यादव, टीएमसी के अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, डीएमके के तिरुचि शिवा और टीआर बालू, सीपीआई (एम) के एम ए बेबी, सीपीआई के डी राजा, सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य और एमएनएम प्रमुख कमल हासन शामिल थे।

कुछ लोगों को 'कोसी' में बिहार चुनाव दिखेगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 11 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए नवनिर्मित 184 टाइप-VII बहुमंजिला फ्लैटों का उद्घाटन किया। इस परियोजना का उद्देश्य सांसदों के लिए पर्याप्त आवास की तीव्र कमी को दूर करना और ऊर्ध्वाधर आवास प्रारूप में आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल आवास प्रदान करना है। उद्घाटन के एक भाग के रूप में, प्रधानमंत्री ने परिसर में सिंदूर का पौधा लगाया, निर्माण कार्य में शामिल श्रमजीवियों से बातचीत की और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

इस दौरान मोदी ने कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले मैंने कर्तव्य पथ ओर सामान्य केंद्रीय सचिवालय यानी कर्तव्य भवन का लोकार्पण किया था। आज मुझे संसद में अपने सहयोगियों के लिए

इस रिहायशी कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि इन 4 टावर्स के नाम भी बहुत सुंदर हैं। कृष्णा, गोदावरी, कोसी, हुगली, भारत की चार महान नदियां, जो करोड़ों लोगों को जीवन देती हैं। अब उनकी प्रेरणा से हमारे जन प्रतिनिधियों के जीवन में भी आनंद की नई धारा बहेगी।

विपक्ष पर तंज कसते हुए मोदी ने कहा कि कुछ लोगों को परेशानी भी होगी। कोसी नदी पर नाम रखा है, तो उनको कोसी नदी नहीं दिखेगी, उनको बिहार का चुनाव नजर आएगा। ऐसे छोटे मन के लोगों के मन की परेशानियां भी दिखेंगी। नदियों के नामों की परंपरा देश की एकता के सूत्र में हमें बांधती है।

उन्होंने कहा कि हमारे सांसद साथी जिस नए आवास में प्रवेश करेंगे, अभी मुझे उसका एक नमूना फ्लैट देखने का भी मौका मिला। मुझे पुराने सांसद आवासों को देखने का मौका भी मिलता रहा है। पुराने आवास जिस तरह बदहाली का शिकार होते थे, सांसदों को जिस तरह आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नए आवासों में गृह प्रवेश के बाद उनसे मुक्ति मिलेगी। सांसद साथी अपनी समस्याओं से मुक्त रहेंगे, तो वो अपना समय और अपनी ऊर्जा और बेहतर तरीके से जनता की समस्याओं के समाधान में लगा पाएंगे।

257वें दिन गरजा बिजली मोर्चा: निजीकरण से जनता पिसी, निगम कंगाल

◆सांसद - विधायकों को पत्र भेजकर ग्रेटर नोएडा और आगरा की बिजली व्यवस्था सरकारी क्षेत्र में लौटाने की मांग

सुरेश गांधी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले निजीकरण के विरोध में चल रहा आंदोलन मंगलवार को 257वें दिन भी तेज रहा। बनारस के सभी बिजली कार्यालयों पर कर्मचारियों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन कर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। संघर्ष समिति ने प्रदेश के सभी सांसदों और विधायकों को पत्र भेजकर कहा है कि निजीकरण का विफल प्रयोग उत्तर प्रदेश की गरीब जनता पर न थोपा जाए। साथ ही ग्रेटर नोएडा

और आगरा की बिजली वितरण व्यवस्था को तत्काल पावर कारपोरेशन के अधीन लेने की मांग की गई है। समिति ने आरोप लगाया कि वर्ष 2010 से 2024 तक पावर कारपोरेशन ने महंगी दर से बिजली खरीदकर टोरेंट पावर को सस्ती दर पर दी, जिससे 2,434 करोड़ का सीधा नुकसान हुआ। सिर्फ 2023द24 में ही निगम को 274 करोड़ का घाटा हुआ, जबकि टोरेंट पावर ने करीब 800 करोड़ का मुनाफा कमाया। इतना ही नहीं, 2010 में आगरा में बिजली राजस्व का 2,200 करोड़ रुपये बकाया था, जिसे समझौते के तहत टोरेंट पावर को वसूलकर पावर कारपोरेशन को देना था। 15 साल में एक पैसा भी नहीं लौटाया गया।

ग्रेटर नोएडा में निजी कंपनी एनपीसीएल घरेलू उपभोक्ताओं और किसानों को तय शेड्यूल के अनुसार बिजली नहीं देती। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में वितरण लाइसेंस रद्द कराने के लिए मुकदमा लड़ रही है। समिति ने उदाहरण देते हुए बताया कि उड़ीसा में तीसरी बार निजीकरण असफल हुआ है और 15 अगस्त के बाद वहां टाटा पावर के खिलाफ जनसुनवाई होनी है। उज्जैन, सागर, ग्वालियर, रांची, जमशेदपुर, औरंगाबाद, नागपुर, जलगांव, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और गया में भी अर्बन डिस्ट्रीब्यूशन फ्रेंचाइजी समाप्त करनी पड़ी।

मांगः समिति ने सांसदों और विधायकों से अपील की कि वे अपने पद का सदुपयोग करते हुए पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय निरस्त कराने की पहल करें। सभा को ई. मायाशंकर तिवारी, अंकुर पांडेय, ई. एस.के. सिंह, ई. नीरज बिंद, ई. विकास कुशवाहा, ई. अमर पटेल, मदन श्रीवास्तव, मनीष यादव, देवेंद्र सिंह, रंजीत कुमार, एस.के. भूषण, रंजीत पटेल, संदीप कुमार, जितेंद्र कुमार, शिवनारायण सिंह और राहुल कुमार ने संबोधित किया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र को प्रदेश व जनहित में उपयोगी बनाना जरूरीः मायावती

लखनऊ, 11 अगस्त। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र को प्रदेश व जनहित में उपयोगी बनाना जरूरी है। मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र, संक्षिप्त होने के बावजूद केवल औपचारिकता पूर्ति वाला नहीं हो, बल्कि इसको सही से प्रदेश व जनहित में उपयोगी बनाना जरूरी है, जिसके लिए सरकार एवं विपक्ष दोनों को अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थ, द्वेष व कटूता आदि को त्याग कर आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, संसद का जो अभी मानसून सत्र चल रहा है उसके भी पूरी तरह शान्तिपूर्ण तरीके से नहीं चलने से वह जन अपेक्षा के अनुसार सही से कार्य नहीं कर पा रहा है। इस कारण जनता व देश के ज्वलंत मुद्दों पर पूरी गंभीरता से चर्चा नहीं हो पाने से लोगों में चिन्ता स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वैसे भी भारतीय व्यापार पर भारी अमेरिकी टैरिफ के कारण देश की अर्थव्यवस्था व विकास पर जो बुरा प्रभाव पड़ने की आशंका है उसकी चर्चा व्यापक रूप से हर जगह गर्म है, जिसपर खास तौर से संसद में सही से चिन्तन-मनन करने की जरूरत है, क्योंकि यह देश के अच्छे दिन से जुड़ा देशहित का खास मुद्दा है उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हल्के में लेकर देश के भविष्य को दाव पर नहीं लगाया जा सकता है और सरकार व विपक्ष दोनों इस पर उचित व समुचित ध्यान दें। बसपा नेता ने कहा, साथ ही, चाहे वोटर व वोटर सूची तथा उसके पुरीक्षण एवं ईवीएम आदि से संबंधित देश, जनहित एवं लोकतंत्र से जुड़े मामलों में जो किस्म-किस्म की बातें देश में हो रही हैं उन संदेहों को अवश्य ही यथाशीघ्र दूर किया जाए तो यह बेहतर होगा। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र आज सोमवार से शुरू हो रहा है।

होशियारपुर में कार में दो लोग मृत पाए गए

होशियारपुर। पंजाब में होशियारपुर के एक गांव में सरकारी स्कूल के पास खड़ी कार में एक महिला सहित दो लोग मृत पाए गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों की शिनाख्त पदराना गांव निवासी दलबीर सिंह और रजनी देवी के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि गढ़शंकर पुलिस को रविवार देर रात सूचना मिली कि सतनौर गांव में सरकारी प्राथमिक स्कूल के पास खाली जगह में एक कार खड़ी है, जिसके अंदर दो शव हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 अगस्त 2025 पर विशेष

युवाः वर्तमान की क्रांति एवं शांति के वाहक

-ललित गर्ग

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक कैलेंडर की तारीख नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि आज की दुनिया में परिवर्तन का सबसे बड़ा वाहक युवा हैं। यह दिन संयुक्त राष्ट्र ने युवाओं के अधिकार, अवसर और योगदान को मान्यता देने के लिए तय किया है, लेकिन इसकी वास्तविक सार्थकता तभी है जब हम युवाओं को केवल भविष्य के नेता कहकर टालें नहीं, बल्कि उन्हें वर्तमान का निर्णायक शक्ति केंद्र मानें। आज भारत की आबादी में लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम उम्र का है। यह केवल सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि संभावनाओं का महासागर है। लेकिन इन संभावनाओं को दिशा देने के लिए केवल शिक्षा या नौकरी पर्याप्त नहीं, दृष्टि, मूल्यों और संकल्प की भी उतनी ही आवश्यकता है। क्योंकि युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसी ध्येय से सारी दुनिया प्रतिवर्ष में सन 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। यह दिवस मनाने का मतलब है कि युवाशक्ति का उपयोग विध्वंस में न होकर निर्माण में हो। युवा, शांति और सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 (9 दिसंबर 2015) शांति को बढ़ावा देने और उग्रवाद का मुकाबला करने में युवा शांति निमार्ताओं को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता की अभूतपूर्व स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है, और स्पष्ट रूप से युवाओं को वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थान देता है। स्वामी विवेकानंद का आह्वान आज भी गूंजता है-उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। इस अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर हमें न केवल युवाओं की सराहना करनी है, बल्कि उन्हें जिम्मेदारी सौंपनी है, क्योंकि वे सिर्फ कल के नहीं, बल्कि आज के भी निमार्ता हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के नवनिर्माण के लिये मात्र सौ युवकों की अपेक्षा की थी। क्योंकि वे जानते थे कि युवा विजनरी होते हैं और उनका विजन दूरगामी एवं बुनियादी होता है। उनमें नव निर्माण करने की क्षमता होती है। नया भारत निर्मित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी युवाशक्ति को आगे लाना होगा। युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य हैं। वो देश की नींव हैं, जिस पर देश की प्रगति और विकास निर्भर करता है। लेकिन आज भी बहुत से ऐसे विकसित और विकासशील राष्ट्र हैं, जहाँ नौजवान ऊर्जा व्यर्थ हो रही है। कई देशों में शिक्षा के लिए जरूरी आधारभूत संरचना की कमी है तो कहीं प्रच्छन्न बेरोजगारी जैसे हालात हैं। युवा अनेक विसंगतियों एवं बुराइयों से घिरे हैं।

युवाओं में जोश होता है, लेकिन बिना दिशा का जोश आग भी लगा सकता है और दीपक भी जला सकता है। यह चुनाव हमारे हाथ में हैकृहम उन्हें सृजनशील बदलाव के शिल्पी बनाते हैं या अराजकता के उपकरण। महात्मा गांधी ने कहा थाकृआप वह बदलाव बनें जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। युवा इस वाक्य को केवल नारा न बनाएं, बल्कि अपने जीवन का सूत्रवाक्य बनाएं। आज के युवा के सामने बेरोजगारी, मानसिक तनाव, नशे की लत, डिजिटल व्यसन, और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां हैं। लेकिन इन्हीं के बीच नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति, और वैश्विक मंच पर पहचान बनाने के अनगिनत अवसर भी हैं। जरूरत है-आत्मनिर्भर सोच की, नैतिकता आधारित नेतृत्व की और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता की। जब जलवायु परिवर्तन, शांति स्थापना, मानवाधिकार, और वैश्विक न्याय जैसे मुद्दों की बात आती है, तो दुनिया युवाओं की आवाज सुनना चाहती है। स्वीडन की ग्रेटा थनबर्ग से लेकर भारत के अनगिनत सामाजिक नवप्रवर्तकों तक-युवा यह साबित कर रहे हैं कि उम्र कोई बाधा नहीं, दृष्टि और साहस ही असली पूंजी है। युवाओं के हाथ में केवल भविष्य की मशाल नहीं, बल्कि वर्तमान की बागडोर भी है। अगर वे खुद को केवल दर्शक बनाकर रखेंगे, तो इतिहास उनके बिना आगे बढ़ जाएगा। लेकिन अगर वे सक्रिय भागीदारी करेंगे, तो इतिहास उन्हें अपने पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज करेगा।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हुए मूल प्रश्न है कि क्या हमारे आज के नौजवान भारत को एक सक्षम देश बनाने का स्वप्न देखते हैं? या कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी केवल उपभोक्तावादी संस्कृति से जन्मी आत्मकेन्द्रित पीढ़ी है? दोनों में से सच क्या है? दरअसल हमारी युवा पीढ़ी महज स्वप्नजीवी पीढ़ी नहीं है, वह रोज यथार्थ से जूझती है, उसके सामने भ्रष्टाचार, आरक्षण का बिगड़ता स्वरूप, महंगी होती जाती शिक्षा, कैरियर की चुनौती और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को कुचलने की राजनीति विसंगतियां जैसी तमाम विषमताओं और अवरोधों की ढेरों समस्याएं भी हैं। उनके पास कोरे स्वप्न ही नहीं, बल्कि आंखों में किरकिराता सच भी है। इन जटिल स्थितियों से लौहा लेने की ताकत युवक में ही हैं। क्योंकि युवक शब्द क्रांति का प्रतीक है। विचारों के नभ पर कल्पना के इन्द्रधनुष टांगने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है, बेहतर जिंदगी जीने के लिए मनुष्य को संघर्ष आमंत्रित करना होगा। वह संघर्ष होगा विश्व के सार्वभौम मूल्यों और मानदंडों को बदलने के लिए। सत्ता, संपदा, धर्म और जाति के आधार पर मनुष्य का जो मूल्यांकन हो रहा है मानव जाति के हित में नहीं है। दूसरा भी तो कोई पैमाना होगा, मनुष्य के अंकन का, पर उसे काम में नहीं लिया जा रहा है। क्योंकि उसमें अहं को पोषण देने की सुविधा नहीं है। क्योंकि वह रास्ता जोखिम भरा है। क्योंकि उस रास्तें में व्यक्तिगत स्वार्थ और व्यामोह की सुरक्षा नहीं है। युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे। युवा दिवस मनाने का मतलब है-एक दिन युवकों के नाम। इस दिन पूरे विश्व में युवापीढ़ी के संदर्भ में चर्चा होगी, उसके ह्रास और विकास पर चिंतन होगा, उसकी समस्याओं पर विचार होगा और ऐसे रास्ते खोजे जायेंगे, जो इस पीढ़ी को एक सुंदर भविष्य दे सकें। इसका सबसे पहला लाभ तो यही है कि संसार भर में एक वातावरण बन रहा है युवापीढ़ी को अधिक सक्षम और तेजस्वी बनाने के लिए।

युवकों से संबंधित संस्थाओं को सचेत और सावधान करना होगा और कोई ऐसा सकारात्मक कार्यक्रम हाथ में लेना होगा, जिसमें निर्माण की प्रक्रिया अपनी गति से चलती रहे। विशेषतः राजनीति में युवकों की सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। अर्नाल्ड टायनबी ने अपनी पुस्तक सरवाइविंग द फ्यूचर में नवजवानों को सलाह देते हुए लिखा है मरते दम तक जवानी के जोश को कायम रखना। उनको यह इसलिये कहना पड़ा क्योंकि जो जोश उनमें भरा जाता है, यौवन के परिपक्व होते ही उन चीजों को भावुकता या जवानी का जोश कहकर भूलने लगते हैं। वे नीति विरोधी काम करने लगते है, गलत और विध्वंसकारी दिशाओं की ओर अग्रसर हो जाते हैं। इसलिये युवकों के लिये जरूरी है कि वे जोश के साथ होश कायम रखे। इसीलिये सुकरात को भी नवयुवकों पर पूरा भरोसा था। वे जानते थे कि नवयुवकों का दिमाग उपजाऊ जमीन की तरह होता है। उन्नत विचारों का जो बीज बो दें तो वही उग आता है। एथेंस के शासकों को सुकरात का इसलिए भय था कि वह नवयुवकों के दिमाग में अच्छे विचारों के बीज बोने की क्षमता रखता था। आज की युवापीढ़ी में उर्वर दिमागों की कमी नहीं है मगर उनके दिलो दिमाग में विचारों के बीज पल्लवित कराने वाले स्वामी विवेकानन्द और सुकरात जैसे लोग दिनोंदिन घटते जा रहे हैं। कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में भी ऐसे कितने लोग हैं, जो नई प्रतिभाओं को उभारने के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं? हेनरी मिलर ने एक बार कहा था- मैं जमीन से उगने वाले हर तिनके को नमन करता हूं। इसी प्रकार मुझे हर नवयुवक में वट वृक्ष बनने की क्षमता नजर आती है। महादेवी वर्मा ने भी कहा है बलवान राष्ट्र वही होता है जिसकी तरुणाई सबल होती है। इसीलिये युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि वह युवा दिवस पर कोई ऐसी क्रांति घटित करे, जिससे युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन आ सके, हिंसा-आतंक-विध्वंस की राह को छोड़कर वे निर्माण की नयी पगडंडियों पर अग्रसर हो सके।

कर्णाटक के उपमुख्यमंत्री के बारे में उठती अफवाहे क्या है?

अशोक भाटिया

हाल ही में कांग्रेस के राज वाले कर्नाटक से आई एक तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब शेयर हो रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बेंगलुरु मेट्रो की येलो लाइन का उद्घाटन करने गए थे. वहां मंच पर उनके बगल में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार बैठे थे. कई बार ऐसा मौका आया जब डीके शिवकुमार पीएम मोदी के कानों में कुछ खुसुर-फुसुर करते देखे गए. वह बेंगलुरु के इंचार्ज मिनिस्टर भी हैं तो हो सकता है कि शहर का मास्टर प्लान दिखा या बता रहे हों. लेकिन सोशल मीडिया पर यह तस्वीर कुछ अलग एंगल से शेयर की जाने लगी.

खैर, मुस्कुराते हुए डीके शिवकुमार ने आज मंच पर पीएम को गणेश भगवान की मूर्ति दी. यह औपचारिक प्रोटोकॉल होता है लेकिन आम लोगों को दोनों नेताओं की गर्मजोशी कुछ अलग ही दिख रही है. दोनों के सिर मिलाकर बतियाने की तस्वीर के साथ कई लोगों ने लिखा है कि यह तस्वीर कांग्रेसियों को खूब चुभ रही होगी. एक यूजर ने तो लिख दिया- ठीद्द उट छ्ड्ढ्ढल्लॅ. ये सब डीके शिवकुमार के इस पोस्ट के नीचे लिखा गया.

डीके ने पीएम के साथ का यह वीडियो शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करते हुए गर्व महसूस हुआ. हमने बेंगलुरु मेट्रो के तीसरे चरण की आधारशिला रखी. यह 15,610 करोड़ से अधिक की एक परिवर्तनकारी परियोजना है. बेंगलुरु के प्रभारी मंत्री के रूप में, मेरी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करना है कि हमारे शहर को वह बुनियादी ढांचा मिले जिसका वह हकदार है. मैंने एक मेमोरेंडम पेश किया और प्रधानमंत्री से उन प्रमुख परियोजनाओं के लिए फंड और अनुमोदन का आग्रह किया जो बेंगलुरु को भविष्य का भारत बनाने के लिए ताकत प्रदान करेंगी.

कुछ लोगों ने यह भी लिखना शुरू कर दिया कि आपको सम्मान महसूस हो रहा है लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तरफ जरा देख लीजिए. आप कांग्रेस छोड़ दीजिए. प्रतीक ने लिखा, 'डीके शिवकुमार इंतजार कर रहे हैं. वह सही समय जानते हैं.' लोगों का मत है कि कुछ ऐसा ही एमपी में सिंधिया और असम में हिमंता बिस्वा सरमा के साथ भी हुआ था. ये दोनों कांग्रेस के दिग्गज नेता थे लेकिन बाद में भाजपा में आ गए. राजस्थान की कड़वाहट भी किसी से छिपी नहीं है. खैर, ये सब अभी चर्चाएं ही हैं.

इसके पहले कर्नाटक कांग्रेस विधायक एचए इकबाल हुसैन ने 29 जून, 2025 को दावा किया था कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को अगले दो से तीन महीनों के भीतर राज्य का मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिल सकता है।श्री शिवकुमार के करीबी माने जाने वाले विधायक की यह टिप्पणी इस वर्ष के अंत में कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की नई अटकलों के बीच आई है।सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना के हालिया बयान के बाद यह चर्चा फिर से शुरू हो गई है, जिसमें उन्होंने सितंबर के बाद राज्य में ₹क्रांतिकारी₹ राजनीतिक घटनाक्रम का संकेत दिया है।₹आप सभी जानते हैं कि इस सरकार के सत्ता में आने से पहले हमारी [कांग्रेस] ताकत क्या थी। हर कोई जानता है कि इस जीत को हासिल करने के लिए किसने संघर्ष, पसीना, मेहनत और लगन लगाई। उनकी [शिवकुमार की] रणनीति और कार्यक्रम अब इतिहास बन चुके हैं,₹ श्री हुसैन ने रामनगर में पत्रकारों से कहा, जब उनसे पूछा गया कि क्या श्री शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की संभावना थी।उन्होंने कहा था कि मैं अटकलों पर विश्वास नहीं करता। हमें पूरा विश्वास है कि आलाकमान स्थिति से अवगत है और उन्हें अवसर देने के लिए सही समय पर उचित निर्णय लेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या शिवकुमार, जो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं, इस साल मुख्यमंत्री बनेंगे, तो हुसैन ने जवाब दिया, ₹हाँ, मैं कह रहा हूँ। कुछ नेता सितंबर के बाद क्रांतिकारी राजनीतिक घटनाक्रमों के लिए जिस तारीख का संकेत दे रहे हैं—वे उसी की बात कर रहे हैं। दो-तीन महीनों में फैसला हो जाएगा।₹ आगे जोर देने पर उन्होंने दोहराया, ₹मैं यही कह रहा हूँ। मैं गोल-मोल बातें नहीं कर रहा; मैं सीधे बोल रहा हूँ।₹ जब उनसे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया द्वारा मुख्यमंत्री परिवर्तन को महज अटकलें बताकर खारिज करने के बारे में पूछा गया, तो श्री हुसैन ने कहा कि कांग्रेस लाकमान ने 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद सरकार बनाने का फैसला किया है।

उन्होंने यह भी कहा कि उस समय हम सब दिल्ली में एक साथ थे। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने फैसला लिया। यह बात सभी जानते हैं। अगला फैसला भी वही लेंगे - हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा।सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें पिछले कुछ समय से चल रही थीं, जो श्री सिद्धारमैया और श्री शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझेदारी समझौते से जुड़ी थीं। पार्टी आलाकमान के कड़े निर्देशों के बाद ऐसी अटकलें शांत हो गईं। दरअसल मई 2023 में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद, सीएम पद के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस शिवकुमार को डिप्टी सीएम पद स्वीकार करने के लिए मनाने में कामयाब रही। उस समय की रिपोर्टों ने एक घूर्णी सीएम फॉर्मूला का सुझाव दिया, जिसमें शिवकुमार ढाई साल बाद पदभार संभालने के लिए तैयार थे, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि कभी नहीं हुई थी।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से भी जब ने भी अपनी राजनीतिक आकांक्षाओं के बारे में पूछे गए सवालों का सधा हुआ जवाब दिया, तथा अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में अटकलों की न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया।शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा, ₹भले ही कोशिशें नाकाम हों, लेकिन प्रार्थनाएँ कभी बेकार नहीं जातीं। मैंने जो चाहा है, उसके लिए प्रार्थना की है। यह राजनीतिक चर्चा का स्थान नहीं है, राज्य का भला होने दीजिए। उन्होंने अपनी मंशा के बारे में पूछे गए सवालों का सीधा जवाब देने से सावधानीपूर्वक परहेज किया।उनकी टिप्पणियों ने वर्तमान अनिश्चितता को और बढ़ा दिया है, क्योंकि वे महत्वाकांक्षा और निष्ठा के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

शिवकुमार की यह टिप्पणी राजनीतिक हलकों में उनके मुख्यमंत्री बनने की लंबे समय से चली आ रही महत्वाकांक्षा के बारे में चल रही चर्चाओं के बीच आई है, खासकर तब जब कर्नाटक कांग्रेस की आंतरिक गतिशीलता लगातार जांच के घेरे में है।शिवकुमार ने पार्टी नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए कहा, मल्लिकार्जुन खड़गे हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्होंने हमें मार्गदर्शन दिया है और अपना संदेश दिया है। हम उनकी सलाह मानेंगे और साथ मिलकर काम करेंगे। यह टिप्पणी शिवकुमार के उस लगातार सार्वजनिक रुख को दशार्ती है कि आलाकमान जो भी फैसला लेगा, वह उसका पालन करेंगे।

30 जून को, जब कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बारे में पूछा गया, तो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस संभावना से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, यह पार्टी आलाकमान के हाथ में है। कोई नहीं कह सकता कि आलाकमान में क्या चल रहा है। यह आलाकमान पर छोड़ दिया गया है और उन्हें आगे की कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन किसी को भी बेवजह समस्याएँ पैदा नहीं करनी चाहिए। पिछले हफ़्ते शिवकुमार के बयानों में वफादारी दिखाने और लोगों को नेतृत्व में अपनी रुचि की याद दिलाने के बीच बदलाव आया है। 1 जुलाई को उन्होंने इंडिया टुडे से कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने की कोई आकांक्षा नहीं है और उनका ध्यान 2028 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस को मजबूत करने पर है।

उन्होंने कहा, अनुशासन कांग्रेस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जब उनसे विधायकों द्वारा सार्वजनिक रूप से उन्हें शीर्ष पद के लिए समर्थन दिए जाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मुझे किसी का समर्थन नहीं चाहिए। मैं अभी मुख्यमंत्री पद का इच्छुक नहीं हूँ। मेरी आकांक्षा 2028 में कांग्रेस को सत्ता में देखना है। यही मेरी प्राथमिकता है।

हालांकि, एक दिन बाद 2 जुलाई को, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वह पूरे पाँच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, तो शिवकुमार ने कहा, ₹मेरे पास जो विकल्प है, मुझे उनके साथ खड़ा होना होगा, उनका समर्थन करना होगा। आलाकमान जो भी कहेगा, मुझे वही करना होगा। हालांकि कांग्रेस के राज्य प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने स्पष्ट किया है कि नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होने वाला है , लेकिन शिवकुमार की जानबूझकर की गई अस्पष्टता संयम की रणनीति का संकेत देती है, जो टकराव से बचने के साथ-साथ निरंतर इरादे का संकेत देती रहती है।

प्रौद्योगिकी और समानता के संगम पर भविष्य का निर्माण

-सुरेश गांधी

भारत आज 21वीं सदी के उस मोड़ पर खड़ा है जहां अगली दो से ढाई दशकों में उसका भविष्य तय होगा। 2047 - आजादी का शताब्दी वर्ष, सिर्फ.कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक अवसर है। यह वह साल होगा जब हम यह तय कर चुके होंगे कि हम सिर्फ. एक ह्लतेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाह्व हैं, या एक विकसित, समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र। विकास का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चैड़ी सड़कें और तेज जीडीपी वृद्धि दर नहीं है। असली विकास तब है, जब तकनीकी प्रगति से लेकर सामाजिक समानता तक हर नागरिक की गरिमा सुरक्षित हो, हर गांव तक अवसर पहुंचे, और हर हाथ में उम्मीद हो। मतलब साफ है भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना केवल आर्थिक आंकड़ों या भव्य बुनियादी ढांचे से पूरा नहीं होगा। इसके लिए आवश्यक है कि प्रगति की नींव प्रौद्योगिकी और सामाजिक समानता के मजबूत स्तंभों पर रखी जाए। आज के युग में प्रौद्योगिकी ही विकास का सबसे बड़ा उत्प्रेरक है।

यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है तो प्रौद्योगिकी को आधारशिला बनाना ही होगा। हमें एक ऐसा डिजिटल बुनियादी ढांचा चाहिए जो न केवल शहरों, बल्कि गांवों तक समान रूप से पहुंचे। 5जी और आगामी 6जी नेटवर्क, हाई-स्पीड इंटरनेट और सैटेलाइट कनेक्टिविटी को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्मार्ट सिटी मिशन को केवल महानगरों तक सीमित न रखकर, टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी लागू करना होगा, ताकि शहरी सुविधाओं और अवसरों का समान वितरण हो। ऑटोमेशन और डिजिटल बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचेन, बिग डेटा, क्लाउड कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) को प्रशासन, उद्योगों, कृषि और स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े पैमाने पर लागू करना होगा। जैसे एआई आधारित फसल पूवार्नुमान किसानों को समय पर सही जानकारी दे सकता है। ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड-कीपिंग से भूमि विवाद और भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है। आईओटी सेंसर से जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन हो सकता है।

प्रौद्योगिकी का उपयोग केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित न होकर, भ्रष्टाचार उन्मूलन, पारदर्शिता और नागरिक भागीदारी बढ़ाने का साधन भी बने। ई-गवर्नेंस, डिजिटल भुगतान, टेलीमेडिसिन और एआई आधारित स्वास्थ्य निदान जैसी सेवाएं गांव-गांव तक पहुंचे। डिजिटल डिवाइड, साइबर सुरक्षा खतरे, और डेटा गोपनीयता के मुद्दों पर ठोस नीति और नियामक ढांचा तैयार हो। सरकारी और निजी क्षेत्रों में हर दो साल में प्रोफेशनल दक्षता व जवाबदेही प्रशिक्षण अनिवार्य हो, ताकि कार्यकुशलता बनी रहे और ह्लकोई भी व्यक्ति देश और संविधान से ऊपर नहींह्व का सिद्धांत व्यावहारिक रूप से लागू हो। यानी सरकार और प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए ई-गवर्नेंस को अगली पीढ़ी के स्तर पर ले जाना होगा। सभी सरकारी सेवाएं और दस्तावेज 100 फीसदी डिजिटल और ब्लॉकचेन-संरक्षित हों। भ्रष्टाचार और फाइलों में देरी रोकने के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम अपनाया जाए। नागरिक शिकायत निवारण के लिए एआई चैटबॉट्स और वॉइस-आधारित सेवा प्लेटफॉर्म विकसित हों, ताकि साक्षरता की कमी भी बाधा न बने। हर सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारी के लिए, हर 2 साल में दक्षता और जवाबदेही की ट्रेनिंग अनिवार्य हो। यह स्पष्ट रूप से सिद्धांत बन जाए कि ह्लकोई भी व्यक्ति, संस्था या पद संविधान और देश से ऊपर नहींह्व।

हमारी तकनीकी प्रगति तभी सार्थक होगी जब उसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। खतरनाक कार्यों, जैसे सीवर की सफाई, को पूरी तरह मशीन आधारित बनाया जाए, ताकि किसी की जान जोखिम में न पड़े। हाथ से और दिमाग से काम करने वालों के वेतन में अत्यधिक अंतर को कम किया जाए। यह न केवल आर्थिक न्याय होगा, बल्कि जातिगत और वर्गीय विभाजन को भी कमजोर करेगा। दलित, आदिवासी और वंचित समाज को शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में समान अवसर सुनिश्चित किए जाएं। क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट जैसी अमानवीय अवधारणाओं का इतिहास के पन्नों से पूर्ण अंत हो। आज जब मशीनें जटिल सर्जरी कर सकती हैं, तो यह शर्मनाक है कि सीवर सफाई जैसे काम में अब भी इंसानों की जान जाती है। प्रौद्योगिकी वही श्रेष्ठ है जो इंसान की गरिमा बचाए। ारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा जनसंख्या है, 15 से 25 वर्ष के 25 करोड़ से अधिक युवा। इन युवाओं को डिजिटल कौशल, स्टार्टअप संस्कृति और नवाचार के लिए प्रशिक्षित किया जाए। गांव-गांव डिजिटल स्टार्टअप हब और इनक्यूबेशन सेंटर बनें। ई-कॉमर्स, हेल्थटेक, एग्रीटेक, फिनटेक, एडटेक और ग्रीनटेक भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के नए इंजन बनें। शुरूआती उद्यमों के लिए कर-छूट, सरल लाइसेंसिंग और फंडिंग की सुविधा। महिला उद्यमियों और ग्रामीण युवाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन। हालांकि भारत के डिजिटल भविष्य के रास्ते में कई बड़ी चुनौतियां हैं...

1. डिजिटल डिवाइडः गांव-शहर के बीच इंटरनेट पहुंच और डिजिटल साक्षरता का अंतर खत्म करना होगा।

2. साइबर सुरक्षाः डिजिटल लेन-देन बढ़ने के साथ साइबर अपराध भी बढ़ेंगे, इसके लिए सख्त साइबर सुरक्षा नीति और विशेषज्ञ बल जरूरी है।

3. डेटा गोपनीयताः नागरिकों की निजी जानकारी का दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े डेटा प्रोटेक्शन कानून की जरूरत।

4. नौकरी विस्थापनः ऑटोमेशन और एआई के कारण कुछ नौकरियां खत्म होंगी, इसके लिए पुनः कौशल प्रशिक्षण (रिसाइकिलिंग) की राष्ट्रीय योजना होनी चाहिए।

डिजिटल भारत से विकसित भारत

तकः 2047 का संकल्प

विकसित भारत का अर्थ केवल जीडीपी वृद्धि नहीं, बल्कि मानव गरिमा की रक्षा है। खतरनाक और अस्वास्थ्यकर कार्य जैसे सीवर की सफाई, मशीनों द्वारा हो, ताकि किसी की जान जोखिम में न पड़े। हाथ और दिमाग से काम करने वालों के वेतन में अत्यधिक अंतर को कम किया जाए, जिससे जातिगत व आर्थिक विभाजन कमजोर हो। दलित, आदिवासी और हाशिए के समाजों को शिक्षा व रोजगार में बराबरी का अवसर मिले। क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट जैसी अमानवीय धारणाओं और भेदभावपूर्ण कानूनों का पूर्ण अंत हो।

स्मार्ट शहरों से स्मार्ट समाज तक,

विकास का असली चेहरा

भारत के पास 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग के 25 करोड़ से अधिक युवा हैंकृये ही डिजिटल अर्थव्यवस्था के इंजन बन सकते हैं। गांव से लेकर शहर तक स्टार्टअप हब और डिजिटल लीडरशिप नेटवर्क का निर्माण हो। ई-कॉमर्स, डिजिटल फिटनेस, फिनटेक और हेल्थटेक जैसे क्षेत्र भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बना सकते हैं। किसी आदिवासी महिला की मेहनत से बना विश्वविद्यालय उसकी संतान के लिए भी खुला हो। पंक्ति में खड़ा अंतिम व्यक्ति भी महसूस करे कि ह्लयह देश मेरा है।ह्व किसी भी स्तर पर शिक्षा, रोजगार या अवसरों में भेदभाव न हो। गांधी और अंबेडकर के सपनों का भारत, जो समानता, गरिमा और प्रगति के तीन स्तंभों पर खड़ा हो।

युवा शक्ति, नवाचार और पारदर्शी

शासन, प्रगति के तीन स्तंभ

भारत के लिए 2047 का लक्ष्य सिर्फ आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि तकनीकी शक्ति और सामाजिक न्याय का संतुलित संगम है। 5जी, एआई, ब्लॉकचेन और स्मार्ट शहर जैसी पहलों से डिजिटल अर्थव्यवस्था को वैश्विक इंजन बनाया जा सकता है, लेकिन इसके साथ समान अवसर, पारदर्शी शासन और गरिमा-आधारित समाज भी जरूरी हैं। जब तक विकास की रोशनी पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँचेगी, तब तक ह्वविकसित भारतह्व का सपना अधूरा रहेगा।

समानता और तकनीक के मेल से

ही साकार होगा शताब्दी का सपना

भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का सपना तभी पूरा होगा, जब तकनीकी क्रांति और सामाजिक समानता एक साथ आगे बढ़ें। 5ळ से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, और सीवर सफाई से लेकर स्टार्टअप संस्कृति तककृहर कदम पर यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

गांधी और अंबेडकर के सपनों का भारत,

जहां अवसर और गरिमा साथ-साथ हों

विकसित भारत का सपना 5जी टावरों और एआई लैब में नहीं, बल्कि उस आखिरी नागरिक की आँखों में चमक से पूरा होगा जिसे विकास का हक अब तक नहीं मिला। तकनीक, पारदर्शिता और बराबरी, तीनों का संगम ही 2047 के भारत की पहचान बनेगा। वरना चमकते स्मार्ट शहरों के बीच अंधेरे गाँव और बिखरे सपने हमें याद दिलाते रहेंगे कि सफर अधूरा है।

शताब्दी वर्ष 2027 में हम ऐसा भारत देखना चाहते हैं, जहां पंक्ति में खड़ा अंतिम व्यक्ति भी कह सके, ह्लयह देश मेरा है, मेरी आवाज यहां सुनी जाती है ह्व जहां किसी भी जाति, वर्ग, लिंग या क्षेत्र के आधार पर भेदभाव न हो। जहां किसान, मजदूर, वैज्ञानिक और उद्यमीकृसभी को बराबरी का सम्मान और अवसर मिले। गांधी का ह्लगांव-गांव स्वराजह्व और अंबेडकर का ह्लसमानता का भारतह्व, दोनों सपने एक साथ पूरे हों। मतलब साफ है भारत को 2047 तक विकसित बनाने का मार्ग केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि तकनीकी उत्कृष्टता और सामाजिक न्याय के संगम से होकर गुजरता है। हमें यह समझना होगा कि असली विकास वही है जो हर नागरिक को अवसर, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करे। यदि हम आज यह दिशा तय कर लें, तो 2047 का भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति होगा, बल्कि मानव गरिमा और समानता का वैश्विक प्रतीक भी बनेगा। कहा जा सकता है वर्ष 2047 का भारत तभी साकार होगा जब तकनीकी प्रगति और सामाजिक समानता साथ-साथ बढ़ें। हमें यह याद रखना होगा कि असली विकास वही है जो हर नागरिक को अवसर, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करे। प्रौद्योगिकी केवल तब महान है जब वह इंसान की गरिमा को बनाए रखे और यही वह आधार है, जिस पर विकसित भारत का सपना हकीकत में बदलेगा

पीएम मोदी के साथ आजाद भारत की महिलाओं की भूमिकाः रंजू झा

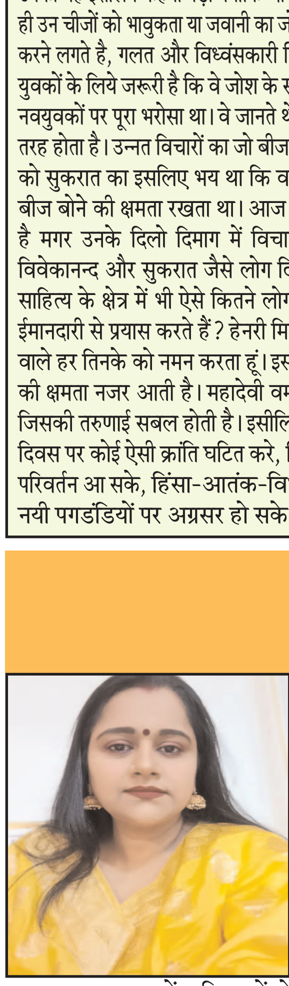

आजाद भारत में महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भूमिका निभाई है, जैसे कि राजनीतिः महिलाएं राजनीति में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं और विभिन्न पदों पर आसीन हैं। शिक्षाः महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और समाज में जागरूकता फैलाने का काम किया है। सामाजिक कार्यः महिलाएं सामाजिक कार्य में भी सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं और समाज के विभिन्न वर्गों की मदद कर रही हैं। आजाद भारत में महिलाओं को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, आजाद भारत में महिलाओं के लिए कई अवसर भी हैं। जिसमें शिक्षा और रोजगारः महिलाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। राजनीति और नेतृत्वः महिलाएं राजनीति और नेतृत्व में अपनी भूमिका निभा रही हैं।

आजाद भारत में महिलाओं की आजादी एक महत्वपूर्ण विषय है, जिसमें महिलाओं के अधिकारों और उनकी भूमिका को समझने की कोशिश की जाती है। महिलाओं को समाज में बराबरी का अधिकार दिलाने और उनकी भूमिका को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एक सरकारी योजना है जो गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इस योजना के तहत, पात्र महिलाओं को 5,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है, जो तीन किस्तों में प्रदान की जाती है।

गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना। मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करना, महिलाओं को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अलावा अन्य योजनाएंः निक्षय पोषण योजनाः गंभीर बीमारी के इलाज के लिए पैसे प्रदान करती है। सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजनाः गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं की मदद करने के लिए शुरू की गई है। जननी सुरक्षा योजनाः गर्भवती महिलाओं को चिकित्सा सुविधा प्रदान करती है। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रः सस्ते दामों पर दवाइयां उपलब्ध कराती है। मोदी सरकार में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, और सरकार ने महिलाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।

महिला मंत्रियों की भूमिका

निर्मला सीतारमणः वित्त मंत्री और एक प्रमुख महिला नेता।

स्मृति ईरानीः महिला और बाल विकास मंत्री रह चुकी हैं और एक प्रमुख महिला राजनीतिज्ञ हैं।

नजमा हेपतुल्लाः अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री रह चुकी हैं और मणिपुर की गवर्नर भी रहीं हैं।

महिलाओं के लिए सरकारी योजनाएं

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाः गरीब परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करती है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनाः बालिका लिंग अनुपात में गिरावट रोकने और लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है।

महिला शक्ति केंद्र योजनाः महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी क्षमता का अनुभव कराने के लिए काम करती है।

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजनाः गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए शुरू की गई है। स्त्री शक्ति योजनाः महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए ऋण प्रदान करती है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में महिला उम्मीदवार

हाल ही में खबरें आई हैं कि एनडीए उपराष्ट्रपति पद के लिए महिला उम्मीदवार को चुन सकती है, जिससे महिला सशक्तिकरण का एक और बड़ा संदेश होगा। इन योजनाओं और पहलों के माध्यम से, मोदी सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी भूमिका को मजबूत करने के लिए काम कर रही है।

स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों के परिजनों का सम्मान करेगा उत्तर भारतीय संघ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय संघ द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बांद्रा पूर्व स्थित संघ के सभागार कक्ष में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में, देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले 5 वीर शहीदों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा । यह समारोह 15 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शुरू होगा । उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर उत्तर भारतीय संघ वर्ष 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में शहीद लांस नायक शांताराम मोरे की वीर पत्नी उज्वला शांताराम मोरे, वर्ष 2022 में पंजाब के पठानकोट में शहीद हवलदार सूर्यकांत शेषेराव तेलंगे की वीर पत्नी मनीषा सूर्यकांत तेलंगे, वर्ष 1995 में जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में शहीद कैप्टन विनायक विष्णु गोरे की वीरमाता अनुराधा विष्णु गोरे, वर्ष 2003 में जम्मू कश्मीर के पुलवामा में शहीद मेजर यशिन रमेश आचार्य की वीरमाता ग्रेस रमेश आचार्य तथा वर्ष 2025 में जम्मू कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी गोलीबारी में शहीद अग्निवीर मुरली श्रीराम नाईक की वीरमाता ज्योतिबाई श्रीराम नाईक का सम्मान करेगा। सभी परिजनों को स्मृति चिन्ह के साथ सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

एपेक्स ग्रुप और केईटी के बीच रणनीतिक साझेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के बढ़ते ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से, कोहिनूर एजुकेशन ट्रस्ट के ग्लोबल कैपेबिलिटी कॉलेज ने एपेक्स ग्रुप के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत, 'एसेट सर्विसिंग' विषय में 10 महीने का पहला पूर्णकालिक स्वायत्त कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में छात्रों को 6 महीने की पेड इंटर्नशिप मिलेगी और सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें ?5 लाख के शुरूआती वार्षिक वेतन के साथ नौकरी की गारंटी दी जाएगी। कोहिनूर एजुकेशन ट्रस्ट के गवर्निंग बोर्ड के मानद अध्यक्ष, सीए सुनील जी. करवे ने कहा, कोहिनूर एजुकेशन ट्रस्ट में, हम भविष्य के उद्योगों की मांग के अनुसार शैक्षणिक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एपेक्स ग्रुप के साथ यह साझेदारी उस दिशा में एक बड़ा कदम है। यह एसेट सर्विसिंग कार्यक्रम छात्रों को न केवल एक मजबूत शैक्षणिक आधार देगा, बल्कि वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान और उद्योग का अनुभव भी प्रदान करेगा। एपेक्स ग्रुप इंडिया के कंट्री हेड, अक्षय ठाकुरदेसाई ने कहा, हमें एक ऐसे कार्यक्रम को शुरू करने पर गर्व है, जो केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर नहीं, बल्कि नौकरी के लिए तैयार प्रतिभा पर केंद्रित है। यह पहल उद्योग-संबंधी कौशल प्रदान करके वित्तीय पेशेवरों की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, साथ ही उद्योग और शिक्षा के बीच संबंधों को मजबूत करता है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 : 40 सेमीफाइनलिस्ट टीमों की घोषणा

मुंबई/पटना। देश के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग इंडिया ने अपने युवा-केन्द्रित देशव्यापी इनोवेशन कॉन्टेस्ट सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो के चौथे संस्करण के लिए 40 सेमीफाइनलिस्ट टीमों की राष्ट्रीय सूची घोषित की है। ये टीमें अब प्रतियोगिता के अगले चरण में जाएंगी, जहां उन्हें अपने आइडिया को समाज पर असर डालने वाले समाधान में बदलने के लिए मेंटरशिप, प्रोटोटाइपिंग सपोर्ट और इनोवेशन प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच मिलेगी। टॉप 40 टीमों को कुल 8 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जबकि प्रत्येक टीम मेंबर को एक सैमसंग लैपटॉप प्रदान किया जाएगा। इस साल के सेमीफाइनलिस्ट्स भारत की अद्भुत भौगोलिक विविधता को दर्शाते हैं। इनमें देश के 15 राज्यों के प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें असम के कछार, उत्तर प्रदेश के बागपत, तेलंगाना के महबूबनगर, छत्तीसगढ़ के दुर्ग और ओडिशा के सुंदरगढ़ जैसे दूरदराज के इलाके भी शामिल हैं। यह प्रोग्राम लगातार देशभर के युवा चेंजमेकर्स को सामने लाने का कार्य कर रहा है, ताकि वे टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की ताकत से वास्तविक समस्याओं का समाधान खोज सकें।

बिरलानू लीकप्रूफ पाइप्स ने अपनी तकनीकी श्रेष्ठता को और मजबूत करने के लिए नया मार्केटिंग अभियान शुरू किया है

मुंबई/पटना। सीके बिरला समूह की मल्टीबिलियन डॉलर कंपनी, सीकेए बिरला ग्रुप की शाखा बिरलानू ने एक नया ब्रांड अभियान लॉन्च किया है, जो एक दमदार वादे पर आधारित है –बिरलानू लीकप्रूफ पाइप्स से पाएं अनंत मानसिक शांति। यह अभियान उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी समस्या, यानी पाइप में रिसाव, को सीधे संबोधित करता है और बिरलानू के लीकप्रूफ पाइप्स को एक भरोसेमंद और टिकाऊ समाधान के रूप में स्थापित करता है। अभियान में बिरलानू के नवाचार, उच्च गुणवत्ता निर्माण, और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किए गए उत्पादों को प्रमुखता से दिखाया गया है। बिरलानू पाइप्स के अंतर्गत हम 20 से अधिक उत्पाद श्रेणियों की एक व्यापक पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं, जिनमें शामिल हैं: सीपीवीसी, यूपीवीसी, एसडब्ल्यूआर, साइलेंट, भूमिगत निकासी, फोमकोर, प्रेशर, कॉलम, केसिंग, एचडीपीई, एमडीपीई, गैस, इलेक्ट्रोफ्यूजन फिटिंग्स, जल टैंक और अन्य। हमारी नवाचार टूफिट तकनीक लीकप्रूफ गारंटी की मूल अवधारणा है। फिटिंग मोल्ड और पाइप एक्सट्रूजन दोनों स्तरों पर अत्यंत सटीक इंजीनियरिंग के साथ, टूफिट तकनीक पाइप और फिटिंग्स के बीच पूर्ण सामंजस्य सुनिश्चित करती है, जिससे लीकफ्री जोड़ संभव होते हैं। पियूष बाचलौस, सीएमओ, बिरलानू ने कहा, यह कैंपेन वही बात दिखाता है जो हमें खास बनाती है – लीकप्रूफ पाइप्स का भरोसा और हमारे वह ग्राहक जो हर दिन बिरलानू पर विश्वास करते हैं।

खान अकैडमी और महाराष्ट्र सरकार मिलकर 62,000 से अधिक स्कूलों को निःशुल्क डिजिटल टूल्स से सशक्त बनाएँगे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शैक्षिक समानता के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, खान अकैडमी इंडिया और महाराष्ट्र सरकार ने राज्यभर के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को निःशुल्क, उच्च-गुणवत्ता वाले और पाठ्यक्रम-सम्बद्ध शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराने के लिए हाथ मिलाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे और राज्य मंत्री पंकज भोयर की उपस्थिति में इस पाँच-वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह तकनीक के माध्यम से सार्वजनिक शिक्षा में बदलाव लाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।गणित और विज्ञान के लिए डॉ. जयंत नारळीकर लर्निंग एन्हांसमेंट प्रोग्राम के तहत खान अकैडमी के डिजिटल संसाधनों को 62,000 से अधिक सरकारी स्कूलों में उपलब्ध कराया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत पूरे राज्य के विद्यार्थियों को गणित और विज्ञान के लिए खान अकैडमी की विश्वस्तरीय पाठ्य सामग्री, मराठी और अंग्रेजी में, जो राज्य के पाठ्यक्रम के साथ पूरी तरह से अलाइन होगी, निःशुल्क और आजीवन उपलब्ध रहेगी। खान अकैडमी इंडिया, स्कूल शिक्षा और खेल विभाग के साथ मिलकर काम करेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह डिजिटल सामग्री राज्य भर के सभी स्कूलों, शिक्षकों और विद्यार्थियों तक पहुँचे। कार्यक्रम के अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह साझेदारी महाराष्ट्र के सभी विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को और अधिक रोचक, समावेशी और प्रभावी बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने आगे कहा, १यह साझेदारी जिज्ञासा को बढ़ाने, बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने और प्रत्येक युवा शिक्षार्थी की पूरी क्षमता को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसी दृष्टिकोण को दोहराते हुए, स्कूल शिक्षा एवं खेल विभाग के प्रधान सचिव, रणजीत सिंह देओल ने कहा, यह सहयोग तकनीक के जरिए रळएट शिक्षा को आगे बढ़ाने के हमारे प्रयासों में एक अहम मील का पत्थर है।

पेटीएम मनी ने जिओब्लैकरॉक एनएफओ के साथ साझेदारी की

मुंबई। पेटीएम मनी ने जिओब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट के साथ साझेदारी की है ताकि इसके पांच इंडेक्स फंड के नए फंड ऑफर (एनएफओ) तक पेटीएम मनी ऐप के माध्यम से सीधे पहुंच दी जा सके। एक डायरेक्ट म्यूचुअल फंड प्लेटफॉर्म के रूप में, पेटीएम मनी म्यूचुअल फंड निवेशों पर जीरो कमीशन, कोई छिपे हुए शुल्क नहीं और खाता खोलने पर कोई लागत नहीं लेता है, जिससे निवेशकों को दीर्घकालिक रिटर्न अधिकतम करने में मदद मिलती है। जिओब्लैकरॉक के पहले एनएफओ को जबरदस्त खुदरा भागीदारी मिली, जिनमें पेटीएम ऐप पर 7,000 से अधिक सफल लेनदेन हुए, जिनमें से 45% एसआईपी के माध्यम से हुए। निवेशक पेटीएम मनी ऐप के माध्यम से जिओब्लैकरॉक निफ्टी 50 इंडेक्स फंड, जिओब्लैकरॉक निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड, जिओब्लैकरॉक निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड, जिओब्लैकरॉक निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड, जिओब्लैकरॉक निफ्टी 8-13 १ जी-सेक इंडेक्स फंड इन पांच म्यूचुअल फंड योजनाओं में सीधे निवेश कर सकते हैं।

जिओब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट के प्रवक्ता ने कहा, हमें खुशी है कि हमारे इंडेक्स फंड एनएफओ अब पेटीएम मनी पर उपलब्ध हैं, जो पूरे भारत में गुणवत्तापूर्ण निवेश समाधानों तक पहुंच बढ़ाने के हमारे लक्ष्य के साथ मेल खाता है। ये फंड निवेशकों को भारत की वृद्धि में भाग लेने का एक सरल और कम लागत वाला तरीका प्रदान करते हैं।

भाजपा युवाध्यक्ष परेश चौगुले के जन्मदिन पर जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से नोटबुक वितरण

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी भाजपा युवाध्यक्ष परेश (राजू)चौगुले के जन्मदिन पर अंजूरफाटा के शिवाजी नगर स्थित मनपा स्कूल क्र. 77 में विद्यार्थियों को जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट एवं अटल सेवा फाउंडेशन तथा लक्ष्मण यादव के संयुक्त तत्वावधान में 500 नोटबुक वितरण किया गया । बतादें कि कार्यक्रम का आयोजन समीर शेख द्वारा किया गया और कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, ट्रस्ट के ट्रस्टी मंगेश यादव, विनोद यनागंदला एवं फाउंडेशन के संस्थापक नंदन गुप्ता सहित ट्रस्ट के सदस्य पी डी यादव, मुकेश चौबे, अर्जुन सब्बानी, धीरेंद्र पाल, मनीश यादव, सोनू पासी, संजय यादव, पवन यादव, मंजुलता दुबे , पूनम देवी सहित भाजपा महासचिव भरत भाटी , प्रतिक हरिया , सतीश भाई , मधुकर जाधव सहित स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थी उपस्थित रहे । नोटबुक पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी झलक रही थी।

केसीएन क्लब द्वारा स्वतंत्रता दिवस जनजागरण तिरंगा पदयात्रा एवं सैनिक सम्मान समारोह आयोजित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब द्वारा प्रयागराज जिले के फूलपुर तहसील अंतर्गत बहरिया ब्लॉक के ग्राम भदरपुर से उधोपुर खगिया होते हुए सिसई स्थित कीर्तिमान गेस्ट हाउस तक स्वतंत्रता दिवस जनजागरण तिरंगा पदयात्रा एवं सैनिक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रविवार 10 अगस्त 2025 को सुबह 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक, 79वें स्वतंत्रता दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में केसीएन क्लब की सैनिक शाखा हृवेटरन्स भारतहृ एवं उत्तर प्रदेश कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। तिरंगा पदयात्रा का शुभारंभ आचार्य पंडित कुलभूषण द्विवेदी द्वारा मंत्रोच्चार एवं भारत माता की पूजा के बाद अतिथियों ने फीता काटकर किया गया। भारत माता के जयकारों के बीच निकली पदयात्रा में जय योगेश्वर गुरुकुल विद्यापीठ, एस.टी.एम. पब्लिक स्कूल सहित कई विद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सिसई के कीर्तिमान गेस्ट हाउस में दीप प्रज्वलन के साथ समारोह आरंभ हुआ। सैनिकों को मंच पर सम्मानित किया गया। अध्यक्षता पूर्व सैनिक अधिकारी अनिल त्रिपाठी ने की, जबकि मुख्य अतिथि पूर्व सैनिक गजेंद्र सोनी रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व सैनिक व वरिष्ठ समाजसेवी बालकृष्ण पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी नगर कार्यालय के बड़े बाबू एवं पूर्व सैनिक अरविंद तिवारी, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बड़े बाबू पवन कुमार गुप्ता सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। इस मौके पर वक्ताओं ने अपने संबोधन में युवाओं एवं विद्यार्थियों को देशभक्ति के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सैनिक जितेंद्र राय ने किया।

केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने संस्था की कार्यप्रणाली एवं उद्देश्यों का संक्षिप्त परिचय दिया। अंत में युवा पदाधिकारी मिथुन मिश्र ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पंडित अर्जुनधर द्विवेदी, सतीश मौर्या, एडवोकेट संतोष कुमार यादव, एडवोकेट विनोद कुमार पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, पवन कुमार पांडेय, शत्रुघ्न तिवारी, एडवोकेट दयाशंकर यादव, वकील अहमद, श्यामल मिश्र, अभिषेक सिंह, मोहम्मद साजिद खान, ओम कृष्ण शुक्ला, त्रिकाली जी, नवीन तिवारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

पति के बीमार होने के बाद ऑटो रिक्शा चला रही महिला को डॉ मुरारका ने दिया ऑटो रिक्शा का उपहार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानवीय मूल्य समाज में किसी भी व्यावहारिक जीवन का आधार हैं। ये एक-दूसरे के प्रति प्रेरणा, एक गति के लिए स्थान बनाते हैं। मुंबई के प्रख्यात समाजसेवी डॉ.अनील काशी मुरारका कुछ दिन पहले एक ऑटो रिक्शा में बैठकर कहीं जा रहे थे। रिक्शा एक महिला चला रही थी। उन्होंने उत्सुकता पूर्वक उससे रिक्शा चलाने का कारण पूछा तो सारिका मेस्त्री नामक उस महिला ने बताया कि उसके पति कुछ महीने से बीमार चल रहे हैं, ऐसे में घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया था। यही कारण है कि मैं रिक्शा चलाकर अपने परिवार का गुजारा कर रही हु। महिला की दर्द भरी कहानी से प्रभावित डॉ मुरारका ने उसका फोन नंबर लिया। रक्षाबंधन के दिन जब बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके लंबी उम्र की दुआ कर रही थी और भाई उन्हें उनकी मनपसंद का उपहार भेंट कर रहे थे। डॉ मुरारका ने सारिका मेस्त्री से राखी बंधवाकर, एक नए ऑटो रिक्शा का उपहार देकर न सिर्फ उनकी मदद की अपितु मानवीय मूल्यों का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया जो बहुत कम देखने को मिलता है यह समाज के लिए एक संदेश है ।ऑटो रिक्शा देते हुए डॉ अनील मुरारका ने सारिका को आश्वासन दिया कि आज के बाद तुम हमारी बहन हो। मेरे हाथो में राखी बांधकर तुमने मेरे ऊपर एक बहुत बड़ा फर्ज अदा किया है। यह भाई तुम्हारे लिए सदैव खड़ा रहेगा ।

आपदा प्रबंधन हेतु नागरिक संरक्षण दल द्वारा आयोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शासन गृह विभाग के विशेष उपनियंत्रक, नागरिक संरक्षण दल (सिविल डिफेंस) जिला पालघर कार्यालय की ओर से चिराग विद्यालय, भीमनगर, बोईसर में 4 अगस्त से 8 अगस्त 2025 तक 5 दिवसीय मूलभूत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण जिला उपनियंत्रक काशिनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन तथा बोईसर विधानसभा क्षेत्र के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हस्के के पहल पर आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में आसपास के क्षेत्रों की महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ज्ञात हो कि नागरिक संरक्षण दल की स्थापना नागरिक संरक्षण अधिनियम, 1968 के अंतर्गत आपातकालीन परिस्थितियों में शत्रु के हमले, प्राकृतिक आपदाओं और मानव-जनित संकटों से लोगों, संपत्ति और संस्थाओं की रक्षा के उद्देश्य से की गई है। दल में समाज के विभिन्न वर्गों से स्वयंसेवकों को शामिल कर उन्हें विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, ताकि वे किसी भी आपदा जैसे बाढ़, भूकंप, आतंकवादी हमला, आग या विस्फोट के समय सरकारी एजेंसियों के पहुंचने से पहले राहत एवं बचाव कार्य कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपातकालीन निकासी विधियां, विभिन्न प्रकार के बैंडेज, कृत्रिम स्ट्रेचर निर्माण, सीपीआर, गांठ बांधने की तकनीक, अग्निशमन यंत्र का उपयोग, चेतावनी प्रणाली, ब्लैकआउट तकनीक आदि विषयों पर जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण बोईसर विधानसभा विभागीय अधिकारी नरेश म्हस्के, मानसेवी निदेशक नरेंद्र सोलंकी, पालघर विधानसभा विभागीय अधिकारी निलेश वझे व मानसेवी अधिकारी भूपेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में हुआ। सभी मास्टर ट्रेनर्स का इस आयोजन में विशेष सहयोग रहा। बतादें कि नागरिक संरक्षण दल न केवल शत्रु के हमलों से बचाव में बल्कि बाढ़, भूकंप, आग और अन्य आपात स्थितियों में राहत, पुनर्वास, जनजागृति और समाजनिर्माण जैसे कार्यों में भी अपनी अहम भूमिका निभाता है।

महायुति सरकार के खिलाफ उद्धव सेना का आंदोलन

जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे के नेतृत्व में आंदोलन

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। राज्य की महायुति सरकार के खिलाफ आज राज्यभर में शिवसेना उद्धव गुट द्वारा आंदोलन और विरोध प्रदर्शन किया गया। इसी कड़ी में डोंबिवली में भी उद्धव सेना ने जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे के नेतृत्व में सत्तारूढ़ शिवसेना, भाजपा और एनसीपी अजित पवार गुट के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र सरकार के भ्रष्ट मंत्री, वेटर को मारने वाले मंत्री, असेम्बली में जुआ खेलने वाले मंत्रियों के इस्तीफे की मांग को लेकर यह आंदोलन किया गया। आंदोलन कर रहे हैं कार्यकताओं ने महायुति सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

चिकन और मटन पर लगी रोक का उद्धव गुट ने किया विरोध: कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका ने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर चिकन और मटन की बिक्री पर रोक लगा दी है। प्रशासन के इस निर्णय के बाद अब राजनीति तेज हो गई है। शिवसेना उद्धव गुट ने चिकन और मटन पर लगी पाबंदी का विरोध किया है। उद्धव सेना के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने कहा कि किसे क्या खाना है यह उसका निजी मामला है। देश में सभी को अपने तरीके से जीवन जीने की स्वतंत्रता है। महापालिका ने यह आदेश जारी कर स्वतंत्रता दिवस पर लोगों का स्वतंत्र छीनने का काम किया है। म्हात्रे ने मांग की है कि महापालिका इस निर्णय को वापस ले।

गोरेगांव आरे कॉलोनी में मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन

मुंबई। समाज के वंचित वर्गों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से, देबब्रत ऑरो फाउंडेशन ने गोरेगांव आरे कॉलोनी स्थित यूनिट 13 में एक मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया।

इस पहल में एस्थेटिक क्लीनिक्स, किआ केयर फाउंडेशन और ॲजिलस डायग्नोस्टिक्स ने सहयोग किया।इस कैंप में स्थानीय निवासियों को मुफ़्त चिकित्सा सलाह, दवाइयाँ वितरित की गईं और निवारक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाई गई। 200 से ज्यादा नागरिकों ने इस कैंप का लाभ उठाया। कैंप का एक विशेष हिस्सा त्वचा रोगों की जाँच और उपचार था। त्वचा विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में, मुँहासे, एक्ज़िमा, फंगल संक्रमण जैसी बीमारियों का निदान किया गया और तुरंत मुफ़्त दवाइयाँ दी गईं। इसके अलावा, किआ केयर फाउंडेशन की टीम ने मुख कैंसर की जाँच और दंत चिकित्सा सेवाएँ भी प्रदान कीं। चिकित्सा जाँच के साथ-साथ, स्वास्थ्य शिक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, संक्रमण के लक्षणों की पहचान और समय पर उपचार लेने के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। यह शिविर स्वयंसेवकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं की मदद से अनुशासित और स्वच्छ वातावरण में आयोजित किया गया। शिविर से पहले चलाए गए जागरूकता अभियान में नागरिकों की स्वतःस्फूर्त भागीदारी देखी गई। देबब्रत ऑरो फाउंडेशन और सहयोगी संगठन वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की कमी को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और यह पहल उस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रसार भारती और AEx SPORT के बीच रणनीतिक साझेदारी

मुंबई। भारत के खेल मनोरंजन परिदृश्य को बदलने वाले एक ऐतिहासिक कदम के तहत, राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारक प्रसार भारती ने यूके स्थित एडिग्रुप की स्पोर्ट्स इनोवेशन वर्टिकल AEX SPORT के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत ग्लोबल लीग रेसलिंग (जीएलडब्लू) – भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र की अपनी तरह की पहली पेशेवर रेसलिंग लीग – का प्रसारण किया जाएगा।

यह अनूठा सहयोग प्रसार भारती के टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और रेडियो के व्यापक राष्ट्रीय नेटवर्क को AEX SPORT की ग्लोबल ब्रांडिंग, कंटेंट, प्रोडक्शन, आईपी और मार्केटिंग विशेषज्ञता के साथ जोड़ते हुए भारतीय, एशिया-प्रशांत और वैश्विक दर्शकों के लिए एक विश्वस्तरीय खेल मनोरंजन प्रॉपर्टी तैयार करेगा।

जीएलडब्ल्यू का आधिकारिक लॉन्च 17 सितंबर 2025 को होगा और इसका प्रसारण 4 अक्टूबर 2025 से शुरू होगा, जो भारत सरकार के खेल और युवा सहभागिता को बढ़ावा देने के प्रयासों के अनुरूप है। जीएलडब्ल्यू का प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर और प्रसार भारती के डिजिटल प्लेटफॉर्म वेव्स तथा आकाशवाणी (एआईआर) पर स्ट्रीम किया जाएगा। पहला सीजन 40 सप्ताह तक चलेगा और इसमें परिवार-उन्मुख, रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

प्रसार भारती के अध्यक्ष श्री नवीन कुमार सहगल ने कहा, यह भारतीय प्रो-रेसलिंग के लिए एक नए युग की शुरूआत है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

कुख्यात हिस्ट्रीशीटर बाजीगर वर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुल्तानपुर एवं जौनपुर जिले में अपराध जगत में कुख्यात हिस्ट्रीशीटर एवं कथित सपा नेता बाजीगर वर्मा के विरुद्ध रविवार को मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जौनपुर जिले के सरपतहा थाने में यह मुकदमा जान से मारने की धमकी सहित अन्य धाराओं में दर्ज हुआ है। जितेंद्र कुमार वर्मा उर्फ बाजीगर आजीवन कारावास सजायाफ्ता अपराधी है और सरपतहा थाना क्षेत्र के ही सूरापुर (भोगापुर) का मूल निवासी है। यह मुकदमा राकेश कुमार सिंह निवासी सूरापुर थाना सरपतहां ने दर्ज कराया है।

आरोप है कि बाजीगर वर्मा उनके चाचा वीरेन्द्र बहादुर सिंह की हत्या 13 जून 2005 को थाना कादीपुर के सूरापुर चौराहे के पास की थी। जिस मामले में सुल्तानपुर के जिला सत्र न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वह उच्चन्यायालय से जमानत पर है। इस मुकदमें की पैरवी मृतक वीरेन्द्र बहादुर के भतीजे राकेश सिंह ही कर रहे है। रविवार को दर्ज हुए बाजीगर वर्मा के विरुद्ध मुकदमे के वादी भी है। उनका आरोप है कि बाजीगर वर्मा ने 8 अगस्त को दोपहर लगभग दो बजे सूरापुर स्थित उनकी दुकान पर असलहों से लैस होकर दर्जनों लोगों के साथ आकर चाचा की हत्या के मुकदमें की पैरवी न करने का दबाव देकर गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दिया। राकेश सिंह का आरोप है कि उक्त बाजीगर वर्मा अपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है उसके उपर संगीन धाराओं में दर्जनों मुकदमें दर्ज है। इसके कारण वह उनके परिवार के लोग भयजदा है।

ज्ञात हो कि बाजीगर वर्मा का जौनपुर एवं सुल्तानपुर सीमावर्ती क्षेत्र में जबरदस्त आतंक है। दर्जनों गाड़ियों से असलहाधारी युवकों के साथ घूमने वाला यह शख्स समाजवादी पार्टी का नेता भी बताता है। अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस रखने वाली योगी सरकार की पुलिस की आँखों धूल झोंककर यह कथित सपा नेता अपना आतंकराज चला रहा है। इसके ऊपर जौनपुर सुल्तानपुर एवं अंबेडकर नगर जिले में कई थानों में गंभीर धाराओं में अनेक मुकदमें दर्ज है। कहा जाता है जिन दर्जनों असलहाधारी युवाओं के फौज को लेकर पूरे इलाके में दहशत फैला रहा है उसमें अनेक असलहे अवैधानिक है। बाजीगर वर्मा का सुल्तानपुर के बहुचर्चित जेल कांड का मुख्य अभियुक्त भी है। उस मामले के कई संगीन धाराओं में इस पर मुकदमा दर्ज हुआ है। इसने तत्कालीन तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक अजय मिश्र से दुर्व्यवहार किया था।

अपराधिक इतिहास: जितेन्द्र वर्मा उर्फ बाजीगर उर्फ पप्पू पुत्र राजित राम वर्मा नि० सुरापुर थाना सरपतहां जनपद जौनपुर। 1. मु०अ०सं०-104/01 धारा-325,504 भादवि थाना सरपतहां जनपद जौनपुर। 2. मु०अ०सं०-19/02 धारा- 4/25 आर्म्स एक्ट थाना सरपतहां जनपद जौनपुर। 3.मु०अ०सं०-20/02 धारा-05 विस्फोटक पदार्थ अधि० थाना सरपतहां जनपद जौनपुर। 4. मु0अ0सं0-52/04 धारा-392 भादवि थाना सरपतहां जनपद जौनपुर। 6. मु०अ०सं०-1615/07 धारा 302, 147, 148, 149,352,323,436,427,307 भादवि व 3/4 स०सं०छति नि०अधि० व 7 सीएलए एक्ट थाना कोतवाली नगर जनपद सुल्तानपुर। 7. मु०अ०सं०-137/04 धारा-392,411 भादवि थाना बेलावा जनपद अम्बेडकर नगर। 8.मु0अ0सं0-462/04 धारा-307,427 भादवि थाना जयसिंगपुर जनपद सुल्तानपुर। 9. मु0अ0सं0-257/05 धारा-147,148,149, 506,302 भादवि थाना कादीपुर जनपद सुल्तानपुर।

हर घर तिरंगा के अंतर्गत निकाली गई बाइक यात्रा

पीयू से गोद लिए कुकड़ीपुर, जासोपुर गांव में गई बाइक यात्रा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हरघर घर तिरंगा अभियान 2025र के तहत सोमवार को तिरंगा बाइक यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यह यात्रा विश्वविद्यालय परिसर स्थित सरस्वती सदन, कुलपति कार्यालय से अपराह्न 12:00 बजे कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगे से सजी बाइकों पर सवार छात्र-छात्राओं के जोश और उमंग ने परिसर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। यात्रा विश्वविद्यालय परिसर से निकलकर आस-पास के गोद लिए गए, जासोपुर, कुकड़ीपुर गांव में पहुंची। जहां ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत किया।

इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारे वातावरण में गूंजते रहे। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने उद्बोधन में कहा कि यह यात्रा न केवल राष्ट्रध्वज के सम्मान का प्रतीक है, बल्कि युवाओं में देशभक्ति और एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उत्साह और समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर छात्र अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. राकेश यादव, प्रो. राजबहादुर यादव, डॉ. अनुराग मिश्र ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में नोडल डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका, डॉ राहुल राय, डॉ अमित मिश्र, डॉ. अवधेश मौर्य, डॉ. राजन तिवारी, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, ईश्वर श्रीवास्तव समेत कई शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। यात्रा का समापन विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रगान के साथ हुआ।

तिरंगा के सम्मान में अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा निकाली गयी तिरंगा रैली

वीर सपूतों के सम्मान में अपने-अपने घरों पर तिरंगा अवश्य करे प्रदर्शितः जिलाधिकारी

जनपद के समस्त तहसीलों, विकास खण्डों में हर्षोल्लास के साथ निकाली जा रही तिरंगा रैली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान के द्वितीय चरण में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा कलेक्ट्रेट परिसर से शुरू होकर अम्बेडकर तिराहा होते हुए गांधी तिराहे पर समाप्त हुई। जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने महात्मा गांधी जी और अंबेडकर तिराहे पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। रैली में मदरसा जामियाँ मोमिया लिल्लवनात सिपाह, मदरसा रफीकुल इस्लाम गौराबादशाहपुर, मदरसा हकिमुउलूम बागेअरब सिपाह, जनककुमारी इण्टर कालेज, टी.डी. कालेज, बीआरपी इण्टर कालेज, मुक्तेश्वर बालिका इण्टर कालेज, सहित विभिन्न विद्यालयों द्वारा तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग किया गया।तिरंगा यात्रा में जिला प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी, मदरसों के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, दिव्यांगजन, स्कूली छात्र छात्राएं, एनसीसी कैडेट और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण अजीविका मिशन विभाग के द्वारा राष्ट्रध्वज के निर्माता, स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी, पिंगली वेंकैया के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गयी जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल हुई। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने कहा कि आज जिला प्रशासन के तत्वाधान में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत तिरंगे के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गयी है। हशिराज-ए-हिंदह के नाम से प्रसिद्ध जनपद जौनपुर के सभी नागरिक राष्ट्र के प्रति सम्मान रखते है। तिरंगा रैली में जनपद के नागरिकों ने उत्साह पूर्वक भव्य रैली में हिस्सा लिया। रैली में विशेष रुप से अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र छात्राओं तथा शिक्षकगणों ने रैली में बढ़-चढ़कर भाग लिया है और सन्देश दिया है कि हम सब एक है तिरंगे के सम्मान में सबकुछ न्यौछावर कर देंगे और तिरंगे के सम्मान की रक्षा करेंगे। जिलाधिकारी ने रैली में आये बच्चों, शिक्षकों अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों के भीतर राष्ट्र प्रेम जागृत करना, वीर सपूतों को याद करना और तिरंगे के साथ व्यक्तिगत और भावनात्मक जुड़ाव को प्रदर्शित करना है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील किया कि 13, 14 और 15 अगस्त को अपने-अपने घरों पर तिरंगा अवश्य लगाएँ, यह उन वीरों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये। रैली में प्रतिभाग करने वाले दिव्यांगजन की सराहना करते हुए कहा कि जिस उत्साह और प्रेरणा के साथ दिव्यांगजन ने इस तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग किया है यह इनकी जिजीविषा और सकारात्मक ऊर्जा तथा देश प्रेम को प्रदर्शित करता है इसी क्रम में वनवासी बस्तियों में भी तिरंगा रैली निकाली गयी और फल और मिष्ठान का वितरण किया गया। हर तिरंगा अभियान अन्तर्गत हर घर स्वच्छता रैली निकाली गयी इसके साथ ही जनपद के परिषदीय विद्यालयों सहित समस्त विकास खण्डों में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई।

तिरंगा यात्रा निकालकर शहीदों को किया गया याद

बंधवा में शामिल हुए भाजपा व समाजसेवी आशीष सिंह रहे आकर्षण का केंद्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तिरंगा यात्रा अभियान के तहत जनपद के विभिन्न मंडलों में आयोजन हुआ। मछली शहर के नेतृत्व में तिरंगा यात्री निकाली गई। भाजपा व समाजसेवी आशीष सिंह कार्यक्रम में प्रमुख रूप

राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत इस अभियान में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बंधवा बाजार से मीरगंज तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिलाध्यक्ष डॉ.अजय कुमार सिंह से शामिल हुए।यात्रा बंधवा बाजार से आरंभ होकर जगदीश पुर, गोधना, आगाहूवा, भटहर, मीरपुर होते हुए मीरगंज शहीद राजेश बिंद और शहीद रामदुलारे सिंह के स्मारक पर उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर यात्रा का समापन हुआ।अपने उद्बोधन में आशीष ने कहा कि देश की स्वतंत्रता में वीर सपूतों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर अपने देश के प्रति अपनी निष्ठा प्रदर्शित करते हैं। हमे उनके आदर्शों पर चलने का प्रयास करना चाहिए। आजादी के लिए शहीद हुए जवानों को हम कभी भूल नहीं सकते। कार्यक्रम में जगदीश प्रताप सिंह, अखण्ड भारत सिंह, दीपक सिंह, सौरभ सिंह, विवेक सिंह, राजकुमार जायसवाल, महेंद्र नाथ पटेल, आशीष वर्मा, आदर्श सिंह, कमलेश यादव, विकास अग्रहरि, सुंदरम सिंह, सत्यम सिंह, प्रेम सागर पटेल, अंकित जायसवाल, विकास गौतम, रामआसरे यादव, अफजल अहमद समेत अन्य लोग शामिल रहे।

शम्मे गौसिया मेडिकल कालेज के दो चिकित्सकों ने इराक में लहराया तिरंगा, आज देशभर में हो रही है चर्चा

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। गंगा-जमुनी संस्कृति की धरती जिले के शम्मे गौसिया मेडिकल कालेज के दो चिकित्सकों ने इराक के कर्बला में लहराया तिरंगा। धार्मिक यात्रा अरबईन में तिरंगा लेकर चल रहे दोनों नौजवान चिकित्सकों की चर्चा आज देशभर में हो रही है। इस संदर्भ में शम्मे गौसिया मेडिकल कालेज गाजीपुर के संस्थापक चेयरमैन डा. मोहम्मद आजम कादरी ने बताया कि इराक में हर वर्ष नजफ से कर्बला तक लगभग 110 किलोमीटर की धार्मिक यात्रा अरबईन का आयोजन होता है। जिसमें पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इराक के कर्बला कमेटी

ने शम्मे गौसिया मेडिकल कालेज से यह गुजारिश की थी कि श्रद्धालु की चिकित्सा सेवा के लिए फ्री मेडिकल कैम्प लगाये। डा.आजम कादरी ने बताया कि उनके गुजारिश पर हमने अपने मेडिकल कालेज के चिकित्सक डा. जफर इमाम और मोहम्मद अली नैय्यर (सुहेल) को इराक में भेजा जो धार्मिक यात्रा अरबईन में शामिल होकर श्रद्धालुओं की चिकित्सा सेवा कर रहे हैं। शम्मे गौसिया मेडिकल कालेज के एस ए नैय्यर रिजवी ने बताया कि दोनों चिकित्सक 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में कर्बला में तिरंगा झंडा फहरायेंगे।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 'पे पे मार्ट' का भव्य उद्घाटन

एक ही छत के नीचे घरेलू से लेकर फैशन तक की पूरी खरीदारी सुविधा

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज में 'पे पे मार्ट' का भव्य उद्घाटन शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान पूजन के साथ हुआ। मार्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रवण कुमार सिंह, बृजेश कुमार सिंह और संतोष कुमार सिंह ने पुरोहित बैजनाथ पाण्डेय और पंकज मिश्रा के साथ पूजा-अर्चना कर शुभारंभ किया। उद्घाटन अवसर पर नगर विधायक रमेश सिंह, पुलिस विभाग के क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान, एस एच ओ दीपेंद्र सिंह समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मार्ट का अवलोकन कर इसे बड़े शहरों जैसी सुविधाओं से लैस बताया। डायरेक्टर श्रवण सिंह ने बताया कि 'पे पे मार्ट' में दैनिक आवश्यकताओं के सभी सामान, किराना, घरेलू उपयोगी वस्तुएं, आधुनिक किचन आइटम, बच्चों के खिलौने, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, और नवीनतम फैशन परिधान एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। साथ ही ग्राहकों के लिए आकर्षक डिस्काउंट, कैशलेस पेमेंट सुविधा और आरामदायक शॉपिंग स्पेस की व्यवस्था की गई है। उद्घाटन के बाद मार्ट की सुविधाओं की सभी ने सराहना की।

चंदौली में भाभी ने किडनी देकर बचाई देवर की जान

इसीलिए कहा गया कि भाभी माँ के समान होती है, आज इस भाभी ने इसे साबित कर दिया

चंदौली(उत्तरशक्ति)। ज़िले के बरहनी ब्लॉक के इमलिया गांव में रिश्तों की एक अनोखी मिसाल पेश करते हुए नीलम सिंह ने अपने देवर और भाजपा नेता इंदल सिंह बाबा को जीवनदान दिया।किडनी खराब होने के कारण गंभीर बीमारी से जूझ रहे इंदल सिंह बाबा का गुड़गांव के एक अस्पताल में सफल ट्रांसप्लांट किया गया। जिसमें उनकी भाभी नीलम सिंह

ने अपनी किडनी दान की। मृत्युंजय सिंह दीपू ने कहा कि नीलम सिंह का यह कदम न केवल पारिवारिक प्रेम का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां संपत्ति के लिए भाई-भाई दुश्मन बन जाते हैं।वहीं नीलम सिंह का यह त्याग संयुक्त परिवार की ताकत और रिश्तों की गहराई को दर्शाता है।

रामचरितमानस पाठ के बाद हुआ भव्य भंडारे का आयोजन

◆ भक्ति संगीत को श्रवण कर भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर के सेंट चौराहे के पास स्थित प्राइमरी पाठशाला में हनुमान मंदिर पर रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया। रविवार को पूर्णाहुति के पश्चात मंदिर के प्रांगण में भव्य भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें नगर के संभ्रांत लोगों के साथ साथ गॉव वालों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागी बने।

नगर के प्रसिद्ध लोक भजन गायक विश्वनाथ चौहान एवं उनकी मंडली द्वारा भजन संध्या में भक्तों ने भजन का श्रवण कर मंदिर के पुजारी संतोष कुमार मिश्रा की भूरि भूरि प्रशंसा की। मंदिर के पुजारी संतोष कुमार ने कहा कि हम लोग नगर वासियों एवं गॉव वासियों के सहयोग से इतने बड़े भंडारे का आयोजन प्रत्येक वर्ष करते हैं जिसमें नगर के सभी जाति धर्म के लोग अपना पूरा सहयोग देते हैं। एक तरह से यह भंडारे का आयोजन जातीय सीमाओं से परे होता है। इस अवसर पर उमा प्रजापति, लोकगीत गायक एवं योग गुरु बालयोगी करन गुरू पार्थ, मुन्ना शेख, कविराज भारती राकेश कुमार, राहुल राव, रविंदर, सोनू गुप्ता, विपुल कुमार सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

महिला का पर्स ऑटो में छूटा, रिंग रोड पर ड्यूटी दे रही महिला उपनिरीक्षकों ने 15 मिनट में दिलवाया वापस

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में मानवता और तत्परता का अनोखा उदाहरण पेश करते हुए लखनऊ पुलिस ने मात्र 15 मिनट में महिला का पर्स खोजकर उसे वापस दिला दिया। घटना आज की है, जब एक महिला अपने बच्चे के इलाज के लिए ऐढ़े आवास से हुकुलगंज जाने के लिए ऑटो में बैठी थी। रिंग रोड पर किसी कार्यवश उतरते समय महिला अपना पर्स ऑटो में ही भूल गई। ऑटो चालक वाहन लेकर आगे बढ़ गया, जिससे महिला परेशान हो गई। घबराई हुई महिला ने तुरंत वहां ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षक निकिता सिंह और उपनिरीक्षक आकांक्षा मिश्रा को पूरी घटना बताई। उस समय दोनों अधिकारी ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत रिंग रोड पर चेकिंग ड्यूटी में व्यस्त थीं। महिला की परेशानी समझते हुए दोनों पुलिसकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और स्थानीय सूत्रों की मदद से मात्र 10 से 15 मिनट में ऑटो चालक का पता लगाकर उसे रोक लिया गया। पर्स की पुष्टि होने के बाद सुरक्षित रूप से महिला को वापस सौंपा गया। महिला ने पर्स वापस मिलने पर वाराणसी पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज पुलिस ने यह साबित कर दिया कि वे जनता की मदद के लिए हर वक्त तैयार हैं। पुलिस विभाग ने भी उपनिरीक्षक निकिता सिंह और आकांक्षा मिश्रा के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है।

जौनपुर में राखी बंधवाने मां के साथ मामा के घर गए युवक ने रेलवे पुल से लगाई छलांग

घर वालों के अथक प्रयास से निजी खर्चे पर गोताखारों ने दो दिन बाद रामघाट के पास से बरामद किया शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद पुलिस पर उदासीन रवैया दिखाने का आरोप लगा है। नहीं किया शव खोजने का प्रयास, मामा के घर राखी बंधवाने गये युवक ने रेलवे पुल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली है। स्वजनो ने पुलिस पर सूचना देने के बाद भी उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सरसौडा गांव निवासी महेश 25 पुत्र हरी लाल कन्नौजिया अपनी मां को लेकर 9 अगस्त को राखी बंधवाने अपने मामा के घर गया था। रात लगभग 8 बजे जब मामा के घर वाले उसे भोजन के लिए खोजने लगे तो वह नहीं मिला। आसपास तलाश करने के बाद अनहोनी की आशंका से वह निकट स्थित बशीरपुर रेलवे पुल पर पहुंचे तो आसपास के लोगों ने बताया कि लगभग 8 बजे किसी ने यहां से नदी में छलांग लगाई है। घर वालों ने अनहोनी की आशंका से तुरंत जफराबाद थाने में तहरीर देकर गायब युवक को खोजने की गुहार लगाई। परंतु पुलिस ने उदासीन रवैया अपना लिया और कोई भी कार्य और

प्रयास नहीं किया। थक हार कर सोमवार को सुबह घर वालों ने अपने संसाधन से नाव किराए पर लेकर बशीरपुर से रामघाट तक तलाशी अभियान चलाया। निजी गोताखोरों ने रामघाट के पास तलहटी में पड़े महेश का शव लगभग 9 बजे बरामद कर लिया। मौके पर पुलिस पहुंच शव को लेकर मामले की छानबीन में जुटी है। इस मामले पर पूछे जाने पर चौकी प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि मौके पर सिपाही भेजे गये थे गोमती नदी में भी तलाशी की गई थी पर शव का पता नहीं चला था।आज शव मिला है उसको पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं युवक के आत्महत्या करने का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है।

वसई किले के संरक्षण के साथ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कर्मचारियों को नियमित किया जाए: डॉक्टर सावरा

-नरेन्द्र सोनी

वसई रोड। डॉ. हेमंत सावरा ने वसई किले के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उपेक्षा, अतिक्रमण और क्षरण के कारण किला और उस पर स्थित पुर्तगालीकालीन चर्च, प्रवेश द्वार और स्थापत्य अवशेष क्षीण हो रहे हैं। उन्होंने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को तत्काल एक विस्तृत संरक्षण और जीर्णोद्धार योजना तैयार करने, आवश्यक धनराशि स्वीकृत करने और इस स्थल को राष्ट्रीय विरासत पर्यटन सर्किट में शामिल करने के निर्देश दिया। मुंबई मंडल में लंबे समय से कार्यरत एएसआई कर्मचारियों की सेवा का नियमितीकरण किया जाय। मुंबई मंडल में एएसआई में 15 से 20 वर्षों से लगातार सेवारत कर्मचारियों को अभी तक स्थायी रोजगार का लाभ नहीं मिला है, जबकि औरंगाबाद और नागपुर मंडलों में कर्मचारियों को 2800 ग्रेड पे और वरिष्ठता-आधारित मान्यता दी गई है। इस असमानता की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, डॉ. हेमंत सावरा ने इन कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने और उन्हें समान ग्रेड पे का लाभ देने की पुरजोर मांग की।

मैनिया बाबा मेला को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर प्रशासन ने की बैठक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में उत्तर बिहार के प्रसिद्ध मौनिया बाबा मेले की तैयारियों को लेकर सोमवार को स्थानीय थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) अनिता कुमारी ने की। इस दौरान मेले को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मेला प्रबंधन समिति के सदस्यों, स्थानीय प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती और सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की निगरानी पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, मेला स्थल पर स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, और बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पीएचईडी को चापाकल लगाने और नगर प्रशासन को साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। एसडीओ अनीता कुमारी ने बताया कि मौनिया बाबा मेला, जो भगवान महावीर की पूजा-अर्चना और सिद्ध संत मौनिया बाबा की समाधि के सम्मान में आयोजित होता है, उत्तर बिहार का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयोजन है। उन्होंने कहा कि मेला राजकीय घोषित है। मानिक ढंग से मिला को संपन्न करने के लिए बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मेले में चार नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएंगे। ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। एसडीओ अनीता कुमारी, एसडीपीओ अमन कुमार ने मेला प्रबंधन समिति के राय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बेहतर आयोजन पर चर्चा की।

मौनिया बाबा मेला, जो 1923 से आयोजित हो रहा है। इस वर्ष 22 और 23 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। स्थानीय लोगों और प्रशासन की ओर से इसे शांतिपूर्ण और भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं। बैठक में महाराजगंज सर्किल इंस्पेक्टर अमरेंद्र कुमार, थाना अध्यक्ष संजीत कुमार, दारौंदा के थाना प्रभारी विकास कुमार महाराजगंज के बीडीओ बिंदु कुमार, ईओ हरिश्चंद्र के आलावा मेला प्रबंधन कमेटी के गणमान्य सदस्य लोग शामिल थे।

बीइओ ने की विद्यालय के प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक, दिया आवश्यक निर्देश

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में सरकारी विद्यालयों के सुचारू संचालन व वित्तीय कार्यों के निष्पादन एवं विद्यालय स्तर पर संचालित अन्य कार्यक्रम के सफल संचालन को ले सोमवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजकिशोर उपाध्याय ने स्थानीय बीआरसी भवन में प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पदस्थापित नवनियुक्त प्रधानाध्यापको के साथ अपराह्न चार बजे बैठक की। शामिल बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत रुप से चर्चा की गई. सभी प्रधानाध्यापकों से 23 बिंदुओं के संबंध में प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया । इसमें विद्यालय का नाम, प्रखंड का नाम, प्रधानाध्यापक का नाम, मोबाईल नंबर, व्हाट्सअप नंबर, यू-डायस कोड, माध्यमिक उत्क्रमण का वर्ष एवं कोड, उच्च माध्यमिक उत्क्रमण का वर्ष एवं कोड, प्रबंध समिति का गठन हुआ है या नहीं और यदि हुआ है तो कब हुआ है, आदि जानकारियां बीइओ ने ली। बैठक में प्रबंध समिति की अंतिम बैठक की तिथि व साक्ष्य, माध्यमिक खाता में संचित राशि छात्र कोष, विकास कोष, उच्च माध्यमिक खाता में संचित राशि छात्र कोष, विकास कोष, माध्यमिक छात्र/विकास कोष की रोकड़ पंजी की अंतिम अद्यतन पृष्ठ की छाया प्रति बीआरसी कार्यालय में जमा करने की बातें कहीं।विद्यालय में नामांकित छात्र छात्राओं की संख्या कक्षा 9 वीं, 10 वीं, 11वीं, कला, विज्ञान, वाणिज्य का कुल योग, कंप्यूटर शिक्षक का नाम एवं उनका मोबाईल नंबर, विद्यालय में कुल कंप्यूटर की संख्या, विद्यालय का इ-मेल आईडी, विषवार प्रयोगशाला संचालन की स्थिति, स्मार्ट क्लास संचालन की स्थिति की जानकारी विहित प्रपत्र में उपलब्ध कराने को निर्देशित किया गया । माध्यमिक कक्षा में पदस्थापित शिक्षकों की विषयवार संख्या, उच्च माध्यमिक कक्षा में पदस्थापित शिक्षकों विषयवार कुल संख्या, विद्यालय में परिचारी की संख्या, लिपिक की संख्या, रात्रि प्रहरी की संख्या, माध्यमिक/उच्च माध्यमिक का अपना भवन है या नहीं। कक्षा के लिए कक्षा है या नहीं इसका ब्योरा देना है। माध्यमिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के भूमि की उपलब्धता है या नहीं और यदि है तो कितने डीसमिल भूमि है। आदि की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया । बैठक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार उपाध्याय, डाटा ऑपरेटर, जितेंद्र कुमार, अकाउंटेंट प्रदीप कुमार के अलावा अन्य कर्मी व स्कूलों के प्रधानाध्यापक मौजूद थे।

राजपूताना एकता फाउंडेशन का कजरी महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

-लालशेखर सिंह

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई पूर्व स्थित जोशी हॉल में राजपूताना एकता फाउंडेशन द्वारा कजरी महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामबक्श सिंह,उद्योग पति जितेंद्र सिंह और सविता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। लोक गीत गायक राजा रसिया और रागिनी प्रजापति के द्वारा सावन में गरजते बरसते बादलों के बीच कजरी गीतों की प्रस्तुति ने उपस्थित जन समूह को भावविभोर कर दिया।कजरी महोत्सव में भारी संख्या में आयीं सुहागिन महिलाओं को सुहाग सामग्री भेंट कर-के उनका सम्मान किया गया। इसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभावान लोगों का सत्कार करते हुए उत्साह वर्धन किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामबक्श सिंह ने राजपूताना एकता फाउंडेशन के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि, वास्तव में राजपूताना एकता फाउंडेशन का यह आयोजन जहाँ समाज की प्रतिभाओं का सम्मान कर-के उनकी हौसला अफजाई करता है वहीं अपनी लोक संस्कृति और लोकभाषा को संजोते हुए उसको हमारी नई पीढ़ी से परिचय कराने का पुनीत कार्य कर रहा है, क्योंकि अपनी भाषा, संस्कृति और अपनी परंपराओं को छोड़ने वाला व्यक्ति, समाज और राष्ट्र कभी प्रगति नही कर सकता। इस कजरी महोत्सव में वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह, उद्योगपति विजेंद्र सिंह,विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी प्रभात सिंह 'बबलू', आइडिल स्कूल के संचालक सतीश सिंह, कुँवर संजय सिंह, विजयभान सिंह,आदि समाज के सशक्त हस्ताक्षर उपस्थित थे। राजपूताना फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा सभी लोगों का स्वागत किया गया। राजपूताना फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम नारायण सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि,हम अपने समाज, संस्कृति और परम्पराओं के प्रति समर्पण भाव से लगकर उनकी सेवा और संवर्धन हेतु कटिबद्ध हैं, लेकिन समाज में व्याप्त दहेज,नशा और अशिक्षा जैसी बीमारियों को भी जन जागरण के द्वारा समाप्त करने के लिए प्रयत्नशील हैं। संस्था उपाध्यक्ष प्रतीक सिंह के अनुसार राजपूताना फाउंडेशन के विस्तार का कार्य तेजी से चल रहा है, हम अपने सेवा कार्यों को पालघर, मुम्बई, ठाणे सहित अन्य क्षेत्रों में विस्तार देने के लिए अपने सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों के साथ लगे हुए हैं जिसका परिणाम जल्द ही दिखाई देने लगेगा। इस आयोजन को सफल बनाने में संस्था के महासचिव मनोज सिंह, कोषाध्यक्ष रण विजय सिंह,सलाहकार उमेश सिंह सहित सभी कमेटी मेम्बरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस कार्यक्रम के संचालक वरिष्ठ कवि विवेक सिंह का भी फाउंडेशन द्वारा सफल संचालन हेतु पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने दी है।

महिलाओं ने पुलिस व रेलवे कर्मियों व अधिकारियों को बांधी राखी

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी विरार पूर्व उत्तर मंडल ने रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर विरार नगर क्षेत्र के पुलिस विभाग के वरिष्ठ निरीक्षकों, अधिकारियों और कांस्टेबलों को राखी बाँधी गई। साथ ही, रेलवे स्टेशन मास्टर और रेलवे पुलिस को भी उनके कार्यालयों में राखी बाँधी गई। इस अवसर पर श्रीमती ज्योति प्रदीप मोरे, श्रीमती रेखाताई वाघ, श्रीमती दीपिका जोशी, श्रीमती जयश्री दास, श्रीमती लता परब, सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक दिलीप लांडे द्वारा आयोजित भव्य कावड़ यात्रा में श्रद्धालुओं का जमावड़ा

मुंबई। हर साल की तरह इस बार भी श्रावण मास में आयोजित होने वाली चांदीवली की कावड़ यात्रा में हिंदू भाइयों का जोरदार प्रतिसाद मिला। इस कावड़ यात्रा में हर-हर महादेव, बम-बम बोले के नारे संपूर्ण परिसर गूंज उठा। बता दें कि हिंदू संस्कृति की परंपरा को बढ़ावा देने के लिए शिवसेना चांदीवली विधानसभा क्षेत्र की ओर से विधायक दिलीप (मामा) लांडे के नेतृत्व में शीतल तालाब से काजूपाड़ा पाइप लाइन होते हुए श्री शंभो महादेव मंदिर तक भगवा वातावरण में, हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाले डीजे की धुनों पर एक भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। हर साल की भांति इस बार भी श्रावण मास में विधायक दिलीप लांडे के माध्यम से कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस कावड़ यात्रा को भारी समर्थन मिला। हजारों उत्तर भारतीय महिलाएं केसरिया साड़ी पहने और घाघरा/कलश लेकर श्री शंभो महादेव की पिंडी पर जलाभिषेक करने के लिए इस कावड़ यात्रा में शामिल हुईं, जबकि सैकड़ों पुरुष केसरिया कुर्ता पहने कावड़ लेकर आए। इस कावड़ यात्रा के दौरान, भगवान शंकर, श्री राम, हनुमान आदि की मूर्तियों के साथ हिंदू देवी-देवताओं की एक चलती तस्वीर प्रदर्शित की गई थी। इस कावड़ यात्रा के लिए, काशी के तीर्थ स्थल से पवित्र जल लाया गया था और श्री शंभो महादेव की पिंडी पर जलाभिषेक किया गया था। विधायक और विभाग प्रमुख दिलीप लांडे ने कहा कि कावड़ यात्रा का आयोजन भगवा शक्ति और भक्ति को एक साथ लाने और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थन के साथ और वैकल्पिक रूप से महाराष्ट्र में हिंदुत्व शिवसेना भाजपा सरकार के समर्थन के साथ खड़े होने के उद्देश्य से किया गया था। यह प्रार्थना की गई कि भगवान श्री शंभो महादेव की पिंडी को काशी के तीर्थ स्थल से जल का आशीर्वाद मिले इस कावड़ यात्रा में बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय महिलाएं शामिल हुईं। पूर्व नगरसेविका शैला लांडे, युवा नेता प्रणव लांडे, प्रयाग लांडे, उत्तर भारतीय संघ चांदीवली के अध्यक्ष रामप्रसिद्ध दुबे, सचिव भास्कर सिंह, महिला तालुका अध्यक्ष सरिता मिश्रा आदि के साथ शिवसेना के पदाधिकारी और शिवसैनिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जिला महिला अस्पताल में स्टेट एड्स संगठन का हुआ चुनाव, सीमा सिंह बनी अध्यक्ष

-डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज एक साधारण बैठक में जिला अस्पताल में कार्यरत स्टेट एड्स संगठन का वार्षिक चुनाव हुआ जिसमें सर्व समिति से सीमा सिंह को जिला अध्यक्ष चुना गया इसके बाद उन्होंने अपने कार्यकारिणी की घोषणा की, इस मौके पर सीमा सिंह ने बताया कि अपने विभाग के कार्यों को सुचारू रूप से करने और किसी भी तरह की समस्या से निपटने के लिए सभी कर्मचारियों ने मिलकर चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई है। सभी सदस्यों का बहुत धन्यवाद और आभार है। उन्होंने कहा कि आए दिन जिला अस्पताल में बाहरी लोगों का दबदबा बना रहता है जिस वअध्यक्ष सीमा सिंह रही तो,उपाध्यक्ष विनोद पाठक बने।सुनील सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया तो वही मंत्री महेन्द्र कुमार यादव तो मिलन कुमार को संगठन मंत्री का दायित्व दिया गया मीडिया प्रभारी विजय राय बने कार्यकरणी सदस्य सविता मौर्या, ज्योती सिंह, वींरेद्र यादव बने ।जह से कार्य करने में बाधा उत्पन्न होती है इसके साथ ही आपसी सामंजस्य न बनने की वजह से संगठन का होना अति आवश्यक था।

जौनपुर: जबरन शव को दफनाने पर पुलिस ने रोका

ग्रामीणों ने बताया है कि ग्राम में तीन परिवारों का व्यक्तिगत कब्रिस्तान है

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली के सरकी चौकी अंतर्गत सुल्तानपुर ग्राम में दबंगों द्वारा जबरदस्ती शव को निर्धारित स्थान पर न दफना कर अन्यत्र दफन कराने को लेकर क्षेत्र के माहौल बिगड़ने के माहौल बने हुए थे। जिससे चिंतित होकर क्षेत्रीय ग्रामीणों ने अलाउद्दीन व कमरुद्दीन मार्फत उपजिलाधिकारी को समस्या के निस्तारण व शांति व्यवस्था कायम बनाये रखने के लिए प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाई। पत्रक में ग्रामीणों ने बताया है कि ग्राम में तीन परिवारों का व्यक्तिगत कब्रिस्तान है ।जबकि ग्राम के ही बृजेश यादव राजनैतिक लाभ लेने के लिए ग्राम के ही बाहर से आकर बसे नसरुद्दीन शाह के परिवार का शव जबरदस्ती उस व्यक्तिगत कब्रिस्तान पर दफनाने को लेकर विवाद उत्पन्न करना चाहते है। जबकि बाहर से आए लोगों के लिए एक और कब्रिस्तान निर्धारित किया गया है। अलाउद्दीन व कमरुद्दीन ने यह भी आरोप लगाया कि बृजेश यादव गोल बनाकर हमसे भी विवाद करता रहता है ।बृजेश यादव ग्राम में विवाद को बढ़ावा देने पर आतुर है जिससे माहौल बिगाड़ने के आसार बन रहे है। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी महोदय से उचित हल निकालने व शांति व्यवस्था कायम रखने की गुहार लगाई । जिसमे उपजिलाधिकारी द्वारा निर्देशित करने पर कोतवाली प्रभारी ने मौका मुआयना करते हुए नसरूद्दीन के परिवार के शव को पूर्वनिर्धारित कब्रिस्तान पर दफन कराकर कर माहौल को शांत करा दिया।

ससुराल जा रहे बाइक सवार की ट्रक की चपेट में आने से मौत

सिकरारा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रयागराज हाइवे पर खानापट्टी मोड़ के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक फजायलपुर गांव निवासी 35 वर्षीय श्रीशंकर पुत्र सीताराम अपनी अपाचे बाइक से ससुराल जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।मृतक श्रीशंकर तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे और पेट्रोल पंप से संबंधित रिपेयरिंग का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी पूजा, दो पुत्र आदित्य और अर्पित तथा एक पुत्री साक्षी हैं। हादसे की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी पूजा का रो-रोकर बुरा हाल है।मृतक के बड़े भाई श्रीप्रकाश ने सिकरारा थाने में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिकरारा थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और जल्द ही दोषी चालक को गिरफ्तार किया जाएगा।

विरेंद्र मिश्रा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

नालासोपारा (उत्तर शक्ति)। 10 अगस्त 2025 दिन रविवार को नालासोपारा पूर्व स्थिति प्रगति नगर भाजपा कार्यालय पर कष्टभंजन सेवा संस्था के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष व भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा तुलिंज मंडल के अध्यक्ष विरेंद्र मिश्रा उर्फ डी एम भाई ' के जन्मदिन 10 अगस्त 2025 को यादगार बनाने के उद्देश्य से जाने माने भाजपा नेता पंकज देशमुख द्वारा विरेंद्र मिश्रा के जन्मदिन पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थित में केक काटा गया, इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ विजेंद्र मिश्रा उर्फ डी एम भाई 'को जन्मदिन की मंगल बधाई देते हुए उनका मुँह मीठा कराया। उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यो की भूरि-भूरि सराहना करते हुए पुष्प हारों से ढंक दिया। उस शुभ अवसर पर भाजपा नेता पूर्व नगर सेवक किशोर पाटिल, जय भोलेनाथ सेवा संस्था अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह (डिंकू सिंह) उनका पूरा टीम, सुनील तिवारी, जिला सचिव, राघवेंद्र सेवा मंच अध्यक्ष संतोष दुबे , रितिक , निशांत तिवारी, भाजपा नेता महाकालेश्वर सेवा संस्था अध्यक्ष, रत्नेश मिश्रा, प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र पाण्डेय, अखिलेश दुबे, राहुल सिंह, सुनील मिश्रा, सुप्रसिद्ध मानस गायक रामानुजन पाठक, परमानंद तिवारी, करन दुबे, अभिषेक मिश्र , अजित, उमंग, आदित्य सहित कई सौ कार्यकर्ता उपस्थित होकर जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के परिवार को तरफ से संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह , पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, आचार्य पंडित दिनानाथ शुक्ल, जगदीश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार मुकेश त्रिपाठी , दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने जन्मदिन पर अपने भाव प्रगट करते हुए कहा कि आप को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं,आप ब्राह्मण समाज के आधारस्तम्भ ही नही समाज के गौरव हैं, कर्णधार हैं उनकी एकता के मुख्य सूत्रधार है,समाज के लिए आपका योगदान अकथनीय है,आप एक बेहद ही उत्कृष्ट व्यक्तित्व,मृदुभाषी,और बेहद ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति है,सरलता ही आपकी पहचान है, आपने समाज के लिए खुद को पूर्ण समर्पण कर दिया है आप नालासोपारा पूर्व के सभी समस्याओं को पूर्ण रूप से बिना किसी भेद भाव हल करते हैं।

जौनपुर में रपटा पुल समा गया नदी में, दर्जनों गांव का संपर्क मार्ग टूटा

यात्री तेज बहाव के बीच पुल पार करते नजर आ रहे हैं, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। जौनपुर के बदलापुर में पिली नदी का रपटा पुल डूबा हुआ है, दर्जनों गांवों का संपर्क टूटा हुआ है।

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में पीली नदी पर बना रपटा पुल इन दिनों उफान पर आई नदी के पानी में पूरी तरह समा गया है। पुल के डूबने से दर्जनों गांवों का मुख्य संपर्क मार्ग टूट गया है, लेकिन मजबूरी में लोग जान जोखिम में डालकर इसे पार कर रहे हैं। बाइक, साइकिल और पैदल खतरे के बीच गुजर रहे लोग पुल पार करते समय तेज बहाव में बह गए बैंक मैनेजर, ग्रामीणो ने बचाया ।स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी की धार बेहद तेज है और जरा सी चूक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। दो दिन पहले वसूली से लौटते समय एक शाखा प्रबंधक और उनके सहयोगी सहित दो लोग बाइक समेत इसी पुल को पार करते वक्त तेज बहाव में बह गए थे। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए दोनों लोगो को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और उनकी बाइक भी पानी मे से खींच ली। आपको बता दे कि इस पुल से कई गांवों का आवागमन होता है। तहसील मुख्यालय, स्कूल, बाजार और अन्य जरूरी कामों के लिए लोग इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन हर साल बरसात में पुल डूबने से हालात बिगड़ जाते हैं और कई बार हादसे भी हो चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार यह समस्या उठाने के बावजूद प्रशासन ने अब तक कोई समाधान नहीं निकाला है और ना ही कोई जनप्रतिनिधि इस और ध्यान दे रहा है।

घायल दुकानदार की ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान मौत

सिहौली चौराहे पर बाइक की टक्कर से हुए थे घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के सिहौली बाजार में बाइक की टक्कर से घायल दुकानदार की वाराणसी के ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान मौत हो गई। उधर पुलिस ने आरोपी बाइक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है मौत की खबर लगते परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार सरौनी पूरबपट्टी केराकत के निवासी 52 वर्षीय रामदुलार यादव शुक्रवार की रात में बाजार से दुकान बंद कर 8 बजे घर के लिए निकले थे। जैसे ही वह जौनपुर केराकत मार्ग के सिहौली चौराहे के पास पहुंचे थे। इस दौरान लापरवाही से आ रही बाइक चालक ने विपरीत दिशा में आकर टक्कर मार दी और टक्कर मारने के बाद बाइक सवार बाइक लेकर फरार हो गया। उधर धक्का लगने से रामदुलार साइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े। गंभीर रूप से घायल हो गए । सूचना लगने पर परिजनों ने आनन फाना में जिला अस्पताल उपचार के लिए ले गए । जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया । वाराणसी के ट्रामा सेंटर में उपचार चल रहा था। जहां घायल रामदुलार की मौत हो गई। इसके बाद इसके बाद परिजन मृतक के पुत्र विवेक यादव ने आरोपी बाइक यूपी 62 सीडी 8368 के खिलाफ तहरीर दिया । जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी बाइक और चालक की तलाश में जुट गई। उधर परिजनों ने मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया।

बैंकाई वेंचर्स और हरिबोल ने मिलकर पारदर्शी और तकनीक-आधारित नैतिक खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का संकल्प लिया

मुंबई। अमेरिका स्थित बैंकाई वेंचर्स, जो फिनटेक, ब्लॉकचेन और एआई-आधारित नवाचार में एक वैश्विक अग्रणी है, ने इस्कॉन से प्रेरित भारत के प्रमुख क्रूरता-मुक्त खाद्य ब्रांड हरिबोल के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग का उद्देश्य डेयरी और गैर-डेयरी दोनों क्षेत्रों में एक पारदर्शी, तकनीक-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है—जो पारंपरिक वैदिक मूल्यों को आधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ जोड़कर नैतिक खाद्य प्रणालियों के डिजाइन, विस्तार और भरोसे को नई परिभाषा देगा। यह साझेदारी आध्यात्मिक सिद्धांतों और अत्याधुनिक तकनीक का संगम है, जो नैतिक स्रोत, ग्रामीण सशक्तिकरण, पशु कल्याण और संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता पर केंद्रित है। सुश्री अमी ब्रह्मभट्ट, सह-संस्थापक, बैंकाई वेंचर्स, ने कहाःह्लहम मानते हैं कि नवाचार का सर्वोच्च उद्देश्य तब प्राप्त होता है जब यह करुणा के साथ मेल खाता है। हरिबोल एक आध्यात्मिक रूप से जागरूक खाद्य प्रणाली का उदाहरण है जो तकनीक का उपयोग दया और देखभाल के लिए करता है। हमें इस आंदोलन में योगदान देने पर गर्व है, जहां हर उत्पाद—चाहे वह डेयरी हो या पौध-आधारित—पारदर्शिता, जागरूकता और नैतिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। यचनीत पुष्कर्णा, सीईओ और निदेशक, हरिबोल, ने कहा बैंकाई वेंचर्स के साथ यह साझेदारी ईमानदारी और प्रभाव के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। अपने किसान साझेदारों को अत्याधुनिक एआई टूल्स निःशुल्क उपलब्ध कराकर और अपनी आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता बढ़ाकर, हम उपभोक्ताओं को हर उत्पाद की यात्रा—मिट्टी और बीज से लेकर गाय और रसोई तक—का वास्तविक अनुभव प्रदान करते हैं।